सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 101 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 23 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

विशेष टिप्पणी

विपक्ष का नैरेटिव बनाम इतिहास पर गर्व करने का मौका

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन देश के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास में एक अहम मोड़ माना जा रहा है। आम चुनाव से ठीक पहले हुए इस आयोजन के बाद इस पर अगले कुछ दिन जमकर राजनीति भी होनी ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी राम मंदिर को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए लगातार तीसरी बार रिकॉर्ड जीत की उम्मीद में इस सियासी पिच पर उतर चुकी है तो विपक्ष के लिए यह मुद्दा हमेशा की तरह उलझन भरा साबित हो रहा है। क्या राम मंदिर के माध्यम से ही बीजेपी विपक्ष को अगले आम चुनाव में पूरी तरह अलग-थलग कर देगी या विपक्ष अगले कुछ दिनों में अपने हिसाब से कोई नया एजेंडा तय कर सकता है? अभी यही सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को बीजेपी किसी एक मंदिर या सिर्फ भगवान राम से जोड़कर नहीं पेश कर रही है। इसे अपनी विरासत की वापसी के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम मोदी ने दक्षिण के उन तमाम मंदिरों का भी दौरा किया, जहां से किसी न किसी रूप में राम का नाम जुड़ा रहा है। अगर गौर करें तो पीएम मोदी ने हमेशा से विकास और विरासत को जोड़कर पेश किया है। उन्होंने कई मौकों पर इसे रेखांकित करने की भी कोशिश की। बीजेपी का मानना है कि पिछले कुछ सालों में विरासत को पुनर्जीवित करने के अलग-अलग स्तरों पर किए गए सिलसिलेवार प्रयासों की बदौलत देश में नई भावना का उदय हुआ, जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दूसरे टर्म में पीएम मोदी अपने तमाम भाषणों में गुलामी और उपनिवेशवाद की सोच से मुक्ति दिलाने और हिंदू परंपरा से मिली विरासत को फिर से स्थापित करने की बात करते रहे हैं। उज्जैन महाकाल, केदारनाथ, वाराणसी सहित तमाम धार्मिक स्थलों को नए सिरे से विकसित करने के अलावा हिंदू परंपरा को उचित स्थान दिलाने का दावा भी किया जाता रहा। नए संसद भवन की स्थापना भी इसी पहल का हिस्सा है। इस क्रम में कई अलग तरह की पहल भी की गई। अनुच्छेद 370 को हटाने जैसे फैसले को भी इसी संदर्भ से जोड़कर पेश किया गया। पीएम मोदी ने कई मौकों पर कहा कि पहले खुद भारतवासी भी भारतीय मूल्यों पर बात करने से हिचकते थे। उनमें कहीं न कहीं एक तरह की हीन भावना थी। इसे 2014 के बाद बीजेपी के सुविचारित अभियान के माध्यम से काफी हद तक दूर कर देने का दावा किया जा रहा है।

बीजेपी नेतृत्व ने इस बात को समझा कि पुरानी विरासत स्थापित करने की मुहिम के जरिए पार्टी हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के एजेंडे को एक साथ लागू कर सकती है और उस पर हिंदुत्व की राजनीति करने का सीधा आरोप भी नहीं लगेगा। यही कारण है कि इस बार बीजेपी ने आम चुनाव से पहले अपना मुख्य एजेंडा इसी के इर्द-गिर्द रखा है। एक सीनियर नेता ने कहा कि इसी समय जब पूरे देश में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्प यात्रा चल रही है, राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा लोगों को अपने इतिहास पर गर्व करने का मौका दे रही है। बीजेपी अपने इस नैरेटिव को अजेय फैक्टर मान रही है और दावा कर रही है कि इस बार उसे 2014 और 2019 से भी बड़ी जीत मिलेगी। इस मजबूत नैरेटिव को आम चुनाव में काउंटर करने का विपक्षी गठबंधन का कोई ठोस प्लान अभी तक नजर नहीं आया। अधिकतर विपक्षी दलों ने सोमवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वाले कार्यक्रम के आमंत्रण को अस्वीकार किया और समारोह को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाकर 22 जनवरी के बाद राम मंदिर आकर दर्शन करने की बात कही।

असल में विपक्षी दलों को पता है कि विरासत और धर्म का मुद्दा बीजेपी की ओर से तैयार की गई अपनी पिच है, जहां अगर वे खेलने की कोशिश करेंगे तो बीजेपी हर हाल में उन पर भारी पड़ेगी। ऐसे में सोमवार के समारोह के बाद विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने हिसाब से नैरेटिव स्थापित करने की होगी। इसके लिए पहले से ही अलग-अलग तैयारी के संकेत मिलने लगे हैं। राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस न्याय यात्रा शुरू कर चुकी है। पार्टी को उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में यह न सिर्फ जोर पकड़ेगी बल्कि नया नैरेटिव बनाएगी। उधर, बिहार में जेडीयू और आरजेडी की तरफ से कमंडल की राजनीति के सामने मंडल की राजनीति को सामने कर समानांतर नैरेटिव बनाने की कोशिश की जा रही है। 24 जनवरी को नीतीश कुमार कर्पूरी जयंती के मौके पर एक बड़ी रैली करेंगे। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तो सोमवार को ही रैली कर दी। तमाम राज्यों में विपक्षी नेता इसी तरह समानांतर नैरेटिव की तलाश में हैं। वैसे, देश में बनी हिंदू भावना को देखते हुए विपक्षी नेता सॉफ्ट हिंदुत्व का भी प्रयोग कर रहे हैं। मसलन- अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 22 जनवरी के इर्द-गिर्द कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने भी सोमवार को छुट्टी की घोषणा की। विपक्षी नेताओं की मंशा है कि हिंदू विरोधी छवि न दिखाते हुए वे अपना नया नैरेटिव सामने लाएं। लेकिन उन्हें पता है कि ऐसा करना उनके लिए आसान नहीं होगा। सोमवार के आयोजन का असर कब तक और कितना प्रभावी रहेगा, अभी इन्हें इसका भी आकलन करना है। कुल मिलाकर विपक्ष के लिए आम चुनाव से पहले बेहद कठिन चुनौती है जिसे पार करना उनके लिए आसान नहीं होगा।

चुनाव से पहले नए टास्क पर भाजपा

हर लोकसभा क्षेत्र तक पहुंचने की तैयारी, कल से शुरू होगा भाजपा का अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर/दिल्ली। बीजेपी की ओर से श्रीरामजन्मभूमि दर्शन अभियान की शुरुआत 24 जनवरी से होगी। पार्टी आलाकमान की ओर से नेताओं को भी टास्क दिए गए हैं जो उनके लिए इतना आसान नहीं होने वाला है। छत्तीसगढ़ में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने रामलला दर्शन योजना शुरू करने का ऐलान किया था। इसकी भी शुरुआत जल्द ही होने जा रही है।

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। आज यानी 23 जनवरी से राम मंदिर को दुनियाभर के श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। भक्त अपने आराध्य का दर्शन करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आज सुबह से ही राम मंदिर के पास बड़ी संख्या में भक्त कतारों में खड़े रहे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी देशवासियों को रामलला का दर्शन कराने को लेकर एक अभियान शुरू करने जा रही है। बीजेपी की ओर से श्रीरामजन्मभूमि दर्शन अभियान की शुरुआत 24 जनवरी से होगी। पार्टी आलाकमान की ओर से अयोध्या यूनिट के नेताओं को टास्क दिए गए हैं। इसके तहत अयोध्या धाम आने वाले सभी भक्तों के लिए उचित व्यवस्था के निर्देश दिए गए है। साथ ही उनके स्वागत करने का काम भी सौंपा गया है। ध्यान रहे कि इसी साल लोकसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले ही बीजेपी की ओर से श्रीराम जन्मभूमि दर्शन अभियान शुरू किया जा रहा है। पार्टी हाईकमान की ओर से यह टारगेट रखा गया है कि कैंपेन के दौरान देश के सभी संसदीय क्षेत्रों तक पहुंचा जाए। इस दौरान लोगों को रामलला का दर्शन करने लिए बुलावा भेजा जाएगा। साथ ही राम मंदिर आंदोलन में बीजेपी और आरएसएस की सक्रिय भूमिका के बारे में जनता को जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, यह भी बताया जाएगा कि किस तरह कुछ राजनीतिक दल मंदिर निर्माण में बाधा बनते रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े समेत कई बड़े नेता इस अभियान की निगरानी करेंगे। ये सभी लोग कैंपेन को सफल बनाने के लिए अयोध्या जिला इकाई के संपर्क में हैं। स्थानीय नेताओं को लगातार जरूर दिशा-निर्देश पहुंचाए जा रहे हैं। 24 जनवरी को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अयोध्या आने वाले हैं। यहां वह राम मंदिर में प्रभु की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि दर्शन अभियान की शुरुआत की जाएगी। भाजपा नेताओं का मानना है कि यह बड़ा अवसर होने वाला है। हमने पार्टी कार्यकर्ताओं को देश के अलग-अलग हिस्सों से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत की जिम्मेदारी सौंपी है। साथ ही उनके रहने, आने-जाने, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं का भी ख्याल रखा जाएगा।

मक्का और वेटिकन का रिकार्ड तोड़ेगा अयोध्या

रामलला के विराजमान होने के साथ ही अयोध्या दुनिया का सबसे ज्यादा दर्शनार्थियों के पहुंचने वाला धर्मस्थल बन सकता है। अनुमान है कि एक साल में राम मंदिर जाने वालों की संख्या 10 करोड़ तक हो सकती है, जो दुनिया के किसी भी धार्मिक स्थल से ज्यादा होगी। मक्का में सालाना 2 करोड़ लोग जाते हैं, जबकि वेटिकन पहुंचने वालों का आंकड़ा 90 लाख ही है। इस लिहाज से देखें तो राम मंदिर इन सभी से कहीं आगे होगा। एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के चलते यूपी सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 25 हजार करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है। हर साल ही राम मंदिर में करीब 10 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान है, जो पूरी इंडस्ट्री के लिए उत्साह बढ़ाने वाला है। अयोध्या में होटल इंडस्ट्री, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एफएमसीजी कारोबार में भी तेजी से उछाल आने की उम्मीद है। बड़े पैमाने पर अयोध्या में काम चल भी रहा है। सड़कों, होटलों, स्टेशन, बस अड्डा और एयरपोर्ट समेत तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं और बहुत सी चीजें संवर भी रही हैं। ऐसे में अयोध्या आस्था के साथ ही बिजनेस का भी हब बन सकता है। इसके चलते अयोध्या के अलावा आसपास के जिलों जैसे सुल्तानपुर, बाराबंकी आदि को भी फायदा मिलेगा।

राम मंदिर में लगेगा श्रद्धालुओं का तांता

भारत में ही काशी के विश्वनाथ धाम, अमृतसर के पवित्र स्वर्ण मंदिर, दक्षिण में आस्था के बड़े केंद्र तिरुपति मंदिर और वैष्णो देवी धाम से भी कहीं ज्यादा लोगों के राम मंदिर पहुंचने की उम्मीद है। काशी विश्वनाथ धाम में बीते दो सालों को मिलाकर देखें तो 13 करोड़ लोग पहुंचे थे, जो बहुत बड़ा आंकड़ा है। अब उससे भी कहीं आगे राम मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लग सकता है। आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में हर साल 2.5 करोड़ लोग जाते हैं। भगवान वेंकटेश्वर के इस पवित्र मंदिर की दुनिया भर में मान्यता है और बड़े पैमाने पर लोग दान भी करते हैं। वहीं वैष्णोदेवी में साल भर में करीब 90 लाख लोग जाते हैं। इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का जाने वाले लोगों की संख्या सालाना 2 करोड़ तक है। यहां की मस्जिद और काबा के लिए दुनिया भर से लोग पहुंचते हैं। गौरतलब है कि राम मंदिर का निर्माण 2022 में चल ही रहा था। तब भी अयोध्या में 2.21 करोड़ लोग पहुंचे थे। इससे समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों में क्या आंकड़ा हो सकता है।

छत्तीसगढ़ : मुंगेली मंदिर परिसर में गरुड़ पक्षी के बच्चे, लोगों ने शुरू की पूजा

मुंगेली। पूरा देश रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में राममय है, यहीं वजह है लोग अपने क्षेत्र के आसपास के मंदिरों की साफ सफाई कर रहे हैं। इसी कड़ी में मुंगेली जिले के श्वेतगंगा में प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर की साफसफाई के दौरान विहंगम दृश्य लोगो के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। यहां मंदिर के बगल में स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर के ऊपर अचानक चार गरुड़ पक्षी के बच्चे आ गए हैं वो भी उस वक्त जब पूरा देश श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में मग्न है जिसे शुभ संकेत मानते हुए लोग पूजा अर्चना कर रहे है।

इस दुर्लभ पक्षी के दर्शन के लिए आसपास सहित दूर- दूर से लोग पहुंच रहे हैं इस पक्षी का शास्त्रों में अलग महत्व है जिसे रामायण में जटायु के नाम से जाना जाता है। ग्रामीण इसकी सुरक्षा और खानपान के लिए व्यवस्था में लगे हुए हैं। मंदिर की साफ सफाई और सुरक्षा के साथ स्थानीय पुलिस रोजाना यहां श्रमदान में सहयोग कर रही है।

कूनो अभयारण्य में आए तीन नए मेहमान

श्योपुर। अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद कूनो में भी नन्हे मेहमान आने की खुशी है। कूनो नेशनल पार्क में मंगलवार को तीन नए चीता शावकों का जन्म हुआ है। मादा चीता ज्वाला ने तीन शावकों को जन्म दिया है। तीनों शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं। तीन चीता शावकों के जन्म के बाद चीतों की तादाद बढ़कर 17 हो गई है। इसमें सात शावक भी शामिल है। करीब एक महीने पहले ही नामीबिया से लाई गई मादा चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था। इससे पहले मार्च 2023 में भी मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। उनमें से तीन की मौत कुछ ही महीनों में हो गई थी।

भिलाई के ओम उपाध्याय को मिलेगा राज्य वीरता पुरस्कार

- महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े निर्णायक मंडल की बैठक के बाद जारी की सूची
- राज्य वीरता पुरस्कार के लिए 4 बच्चों का चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सोमवार को नवीन विश्राम गृह अटल नगर नवा रायपुर में राज्य वीरता पुरस्कार वर्ष 2023-24 के लिए पात्र बालक-बालिकाओं के चयन के लिए गठित जूरी (निर्णायक मंडल) की बैठक ली। निर्णायक मंडल द्वारा प्राप्त प्रस्तावों और परीक्षण के उपरांत सर्वसम्मति से 4 बालकों को राज्य वीरता पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इनमें भिलाई के मास्टर ओम उपाध्याय पिता नीरज उपाध्याय, सरगुजा जिले के मास्टर अरनव सिंह पिता सुरेश कुमार सिंह, रायपुर जिले के मास्टर प्रेमचंद साहू पिता सुकदेव साहू और मास्टर लोकेश कुमार साहू पिता सुखनंदन साहू शामिल हैं।

इस मौके पर मंत्री राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के बच्चों को उनकी विशेष वीरता, साहस एवं बुद्धिमत्ता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। आगामी 26 जनवरी को यह पुरस्कार बालक-बालिकाओं को प्रदान किया जाएगा। राज्य वीरता पुरस्कार के लिए चयनित बालकों को 25 हजार रूपए और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव शम्मी आबिदी, एआईजी एमएल कोटवानी, महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक तुलिका प्रजापति उपस्थित थी।

ओम उपाध्याय ने कुत्ते के हमले से बचाया था बच्चों को

बता दें भिलाई में रहने वाले 16 वर्षीय मास्टर ओम उपाध्याय कक्षा 10वीं में अध्ययनरत हैं। उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुत्ते से लड़ते हुए बच्चों को कुत्ते के काटने से बचाया है। इसी प्रकार 16 वर्षीय मास्टर अरनव सिंह कक्षा 11 में अध्ययनरत हैं। उन्होंने डंपिंग यार्ड में लगी भीषण आग से सो रहे तीन व्यक्तियों और चौकीदार को जगाकर बचाने का साहसिक कार्य किया है। इसी तरह 9 वर्षीय मास्टर प्रेमचंद साहू कक्षा चौथी में अध्ययनरत हैं और 13 वर्षीय लोकेश कुमार साहू कक्षा 7वीं में अध्ययनरत हैं, उन्होंने चंपारण में पानी में डूबते हुए बच्चे को बचाने का साहसिक कार्य किया है।

संपादकीय

रामलला विराजमान

आज सनातनी आस्था के संसार में बहुप्रतीक्षित प्रकाश है। 22 जनवरी, 2024 या पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, अभिजीत मुहूर्त के विशेष 84 सेकंड सदा के लिए भारतीय इतिहास में दर्ज हो गए हैं। सोमवार को अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर में नई राम प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे उत्साह से कहा है कि रामलला अब तंबू में नहीं रहेंगे। उन्होंने भाव विभोर होकर कहा है कि हमारे राम आ गए हैं। दुनिया देख रही है, सनातन बहुल देश के प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के एक प्रिय आराध्य से क्षमता मांगते हुए कह रहे हैं कि हमारे प्रयास, त्याग और तपस्या में कुछ कमी रही होगी, तभी तो हम इतनी सदियों तक यह काम नहीं कर पाए। प्रधानमंत्री के उद्गार को सहज ही समझा जा सकता है, जिन लोगों को राम मंदिर आंदोलन पूरा याद है, उनके लिए यह निर्णायक और बहुत प्रभावी मोड़ है। कोई आश्चर्य नहीं, देश की अनेक विभूतियां साक्षी बनने के लिए आमंत्रण मिलते ही दौड़ी चली आईं। पूरे देश में अनगिनत घरों और वाहनों पर लहराते राम ध्वज ने परिवेश को अयोध्यामय बना दिया है।

> सनद रहे, पौराणिक नगरी अयोध्या की रौनक वस्तुतः राम की नीतियों के कारण है, जिन्होंने कहा था, जौं अनीति कछु भाषौं भाई। तौ मोहि बरजहु भय बिसराई। अर्थात, यदि मैं कुछ अनिति की बात कहूं, तो भय भुलाकर मुझे रोक देना। भारत में इतनी विविधता और चुनौतियों के बावजूद लोकतंत्र है, तो इसकी नींव में राम भाव भी है और यह राम भाव को संजोने का समय है।

निस्संदेह, इस प्राण-प्रतिष्ठा ने करीब पांच सदी से उदास-उनींदी सी अयोध्या के चप्पे-चप्पे को जगा दिया है। देश भर में तरह-तरह के आयोजनों और दीप सज्जा ने दूसरी दीपावली का एहसास पैदा कर दिया है। लोग अपने-अपने ढंग से दुनिया भर में आनंद मना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उचित ही संकेत किया है कि 22 जनवरी, 2024 कैलेंडर पर लिखी तारीख भर नहीं है, यह एक नए समय-चक्र की उत्पत्ति है। मतलब, राम मंदिर के बाद यह स्वतंत्र भारत की एक नई यात्रा है। मई 1951 में जब सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ था, तब उसे लेकर उच्च स्तर पर आम-सहमति नहीं थी, पर अब इक्का-दुक्का विरोध के अलावा सभी पक्ष सहमत हैं कि राम मंदिर बनना चाहिए। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुस्लिमों व अन्य धर्मों के लोगों की भी हिस्सेदारी रही है। धीरे-धीरे न्यायालय में बनी सहमति की विशेष भूमिका है, जिसे हमेशा याद किया जाएगा, वरना इसी दुनिया में मजहब या विचारधारा के नाम पर अनेक मौकों पर हमने एकतरफा मनमानियों को कहर ढाते देखा है।

सदियों की प्रतीक्षा के बाद रामलला जब अपने भव्य भवन में विराजमान हो गए हैं, तब अनायास गोस्वामी तुलसीदास के राजा राम की याद आ रही है, जिन्होंने राजा रूप में अपने पहले ही संबोधन में कहा था, परहित सरिस धर्म नहिं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई। अर्थात, दूसरों की भलाई के समान कोई धर्म नहीं है और दूसरों को दुख पहुंचाने के समान कोई नीचता या पाप नहीं है। इस देश में महात्मा गांधी ने भी राम राज्य का सपना देखा था, क्या उसे साकार करने की दिशा में हम बढ़ चलेंगे? लोकतंत्र, न्याय, तार्किकता, शास्त्रार्थ को अपने स्वभाव में सहेजने वाले इस देश में इस प्रश्न को पीछे नहीं धकेलना चाहिए। इस मंदिर-निर्माण का प्रभाव जनमानस पर अवश्य पड़ना चाहिए। सनातन समाज का उत्साह बढ़ा है, तो सकारात्मकता का भी विस्तार होना चाहिए। सनद रहे, पौराणिक नगरी अयोध्या की रौनक वस्तुत: राम की नीतियों के कारण है, जिन्होंने कहा था, जौं अनीति कछु भाषौं भाई। तौ मोहि बरजहु भय बिसराई। अर्थात, यदि मैं कुछ अनिति की बात कहूं, तो भय भुलाकर मुझे रोक देना। भारत में इतनी विविधता और चुनौतियों के बावजूद लोकतंत्र है, तो इसकी नींव में राम भाव भी है और यह राम भाव को संजोने का समय है।

जो जमीनी हालात हैं

मीडिया हेडलाइन्स से भारत की खुशनुमा तस्वीर उकेरने की कोशिश अक्सर होती रहती है। लेकिन जो जमीनी हालात हैं, वे इससे नहीं बदल सकते। विडंबना है कि इन हालात को बदलने की कोशिश के बजाय विकसित भारत का खोखला सपना दिखाया जा रहा है।

अभी हाल में 2023-24 के अनुमानित सरकारी आर्थिक आंकड़े जारी हुए, तो उनसे पता चला कि इस वित्त वर्ष में (दो अपवाद वर्षों को छोड़ कर) भारत की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि 21 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस वर्ष यह वृद्धि दर 7.9 प्रतिशत रही। बीते 21 वर्षों में सिर्फ 2019-20 और 2020-21 में ये दर इससे कम रही थी, जब सारी दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में थी। एक अंग्रेजी वेबसाइट ने अपने विश्लेषण से बताया है कि चालू वित्त वर्ष में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भारी गिरावट आई है। अप्रैल से सितंबर तक देश में सिर्फ 10.1 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। इसके पहले (इस अवधि में) इतनी कम एफडीआई 2007-08 में आई थी। देश में औसत आम उपभोग का कमजोर बने रहना अब एक स्थायी हेडलाइन है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में एफएमसीजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलिवर लिमिटेड का मुनाफा अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ सका। कंपनी ने इसका कारण ग्रामीण क्षेत्रों में मांग की कमजोर स्थिति को बताया है। ये सारी खबरें अलग-थलग नहीं हैं। बल्कि उस गंभीर आम माली हालत का सूचक हैं, जो लगातार गंभीर हो रही है। दरअसल, जिस देश में कामकाजी उम्र वर्ग की लगभग 50 फीसदी आबादी सवा लाख रुपये से कम वार्षिक आय पर गुजारा करती हो, वहां महंगाई एवं सामाजिक सुरक्षाओं में कटौती का परिणाम इसी रूप में सामने आ सकता है। इस स्थिति का निहितार्थ यह है कि भारत के एक सशक्त बाजार के रूप में उभर सकने की संभावनाएं सीमित बनी हुई हैं। यह अवश्य है कि लगभग छह-सात करोड़ लोगों का एक उपभोक्ता वर्ग हमारे देश में मौजूद है और जो मौजूदा वैश्विक आर्थिक-राजनीति सूरत के बीच बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसलिए मीडिया हेडलाइन्स से भारत की खुशनुमा तस्वीर उकेरने की कोशिश अक्सर होती रहती है। लेकिन जो जमीनी हालात हैं, वे ऐसे प्रयासों से नहीं बदल सकते। विडंबना यह है कि इन हालात को बदलने की कोशिश के बजाय विकसित भारत का खोखला सपना दिखाया जा रहा है।

कांग्रेस क्या ओवैसी से तालमेल करेगी

तेलंगाना में सरकार बनने के बाद कांग्रेस किसी तरह से राज्य की सभी 15 सीटें जीतने की रणनीति बना रही है और इसी क्रम में कहा जा रहा है कि पुराने सहयोगी असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम के साथ भी कांग्रेस तालमेल कर सकती है। ध्यान रहे एकीकृत आंध्र प्रदेश में कांग्रेस और एमआईएम का साथ रहा है लेकिन 2012 में अकबरूद्दीन ओवैसी की गिरफ्तारी के बाद तालमेल खत्म हो गया और दोनों पार्टियां एक दूसरे पर हमला करने लगीं। कांग्रेस के सर्वोच्च नेता राहुल गांधी भी ओवैसी की पार्टी को भाजपा की बी टीम बता कर उसके ऊपर हमला करते हैं। लेकिन अब तालमेल की संभावना जताई जा रही है।

यह संभावना इसलिए जताई जा रही है क्योंकि शुक्रवार को लंदन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और ओवैसी के भाई अकबरूद्दीन ओवैसी की मुलाकात हुई। दोनों एक साथ टेम्स नदी का रिवर फ्रंट देखने गए। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने ओवैसी को आमंत्रित किया था ताकि हैदराबाद की मुसी नदी को पुनर्जीवित करने और रिवर फ्रंट डेवलप करने की परियोजना का आइडिया मिले। दोनों के इस सद्भाव को देख कर तालमेल की चर्चा शुरू है गई है। हालांकि मौजूदा समय में कांग्रेस का ओवैसी के साथ तालमेल उसके लिए आत्मघाती हो सकता है। पहले तो एमआईएम के विरोध में कांग्रेस काफी आगे बढ़ चुकी है।

> भारतीयों के लिए सनातन का एक संस्कार रहा है। यह यहां के जनजीवन में रचा-बसा है। माता-पिता, बच्चों, समाज या देश के प्रति जो आम लोगों की जिम्मेदारी रही है, उसी को हिंदू धर्म का निहितार्थ माना जाता रहा है। इसीलिए इसमें तमाम तरह के मत व ग्रंथ हैं और इसका कोई एक स्वीकृत ढांचा नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से इसको एक ढांचागत स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। इस रूप को भारतीय समाज कितना और किस रूप में स्वीकार करेगा, इसका जवाब अभी मुश्किल है।

दूर तक प्रभाव डालेगी यह प्राण-प्रतिष्ठा

नीरजा चौधरी, वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा भारतीय समाज और राजनीति पर व्यापक प्रभाव डालने जा रही है। यह बदलते हिन्दुस्तान की मुनादी है। यह संकेत है कि भारत अब एक नए रूप में आगे बढ़ने वाला है। बेशक, अभी हम यह नहीं कह सकते कि इस बदलाव का स्वरूप क्या होगा, लेकिन यह तय है कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जिस संकल्पना को बीते कुछ वर्षों से साकार करने की कोशिश हो रही थी, उस दिशा में यह मील का पत्थर है।

राममंदिर का निर्माण हिंदू-पहचान का एक प्रस्थान-बिंदू है, और जो नौजवान हिंदू हैं, वे अब हिंदू होने और भारतीय होने का गर्व महसूस करेंगे। यह एक नई ऊर्जा है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में भी किया है। उनका कहना था, राम अग्नि नहीं हैं, राम ऊर्जा हैं।

सवाल यह है कि इस ऊर्जा की दिशा क्या होगी? इसका एक अनुभव मुझे दो हफ्ते पहले ही हुआ, जब मैं बनारस, अयोध्या और लखनऊ की यात्रा पर थी। विशेषकर, वाराणसी के घाटों में नहाने के लिए जो लोग आ रहे थे, उनमें से ज्यादातर का मानना था कि श्रीराम मंदिर के निर्माण से उनके अंदर एक स्फूर्ति आई है और उन्हें शांति मिली है। उन्हें एहसास हो रहा है कि मां-बाप की सेवा करने जैसी पारिवारिक जिम्मेदारी उनको निभानी चाहिए। उन्हें अपने सामाजिक कर्तव्यों का बोध भी हो रहा था। इसका मतलब है कि हिंदू-अस्मिता भले ही अपने देश में एक राजनीतिक मुद्दा रही हो, लेकिन हिंदुओं की एक बड़ी आबादी शांति, भाईचारा, भ्रष्टाचार का उन्मूलन, नि:स्वार्थ-निष्काम भाव से काम-काज को ही तवज्जो देना चाहती है। उनमें आपसी तनाव, अन्य समुदाय के लोगों के उत्पीड़न जैसे सवालों पर प्रतिकूल रुख दिखता है।

रही बात राजनीति की, तो राम मंदिर-निर्माण का फायदा सत्तारूढ़ दल को हो सकता है। अभी ज्यादा साल नहीं बीते हैं, जब अयोध्या में मंदिर बनने की कल्पना तक बेमानी जान पड़ रही थी। सियासत में दुविधा जैसी स्थिति थी। मगर अब मंदिर साकार हो चुका है। वास्तव में, 22 जनवरी, 2024 का महत्व सिर्फ मंदिर-निर्माण तक सीमित नहीं है। प्रधानमंत्री के शब्द थे, राम मंदिर तो बन गया, अब आगे क्या? इस सवाल का खुद जवाब देते हुए उन्होंने राम से राष्ट्र तक चेतना के विस्तार की बात कही है। उन्होंने 1,000 साल के विकास-पथ की नींव रखने की बात कही। हिन्दुस्तान के मूल्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने भविष्य के भारत की संकल्पना की।

देखा जाए, तो राम मंदिर का बनना 'मोदी की गारंटी' को नया उत्कर्ष देता है। भले ही अदालत में आस्था रखते हुए यह सब कुछ संपन्न हुआ है, लेकिन ज्यादातर लोगों के मन में यही भावना है कि प्रधानमंत्री ने जो कहा, वह किया। उनके लिए पिछली पांच सदी का सपना प्रधानमंत्री मोदी के कारण ही साकार हो सका है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 निरस्त करने के फैसले की यह अगली कड़ी है, जिसने बहुसंख्यक समाज में एक नया जोश भरा है।

भाजपा की इस पर स्वत: दावेदारी हो सकती है, और वह इसे समझ भी रही होगी। मुमकिन है कि अब जल्द ही आम चुनाव की घोषणा कर दी जाएगी। पिछले दिनों प्रधानमंत्री बार-बार दक्षिण भारत की यात्रा पर गए हैं। देश के दक्षिणी हिस्से को भी राम से जोड़ने की अनवरत कोशिश हुई है। तमाम तरह की योजनाओं की शुरुआत हो रही है। इन सबने जल्द चुनाव होने के कयास तेज कर दिए हैं। फिर, विपक्ष अब तक मंझधार में ही दिख रहा है। बेशक, 'इंडिया' ब्लॉक का एलान कर दिया गया है, लेकिन सीट-बंटवारे को लेकर अब तक उनमें आम राय नहीं बन सकी है। विपक्षी नेताओं के अलग-अलग सुर यह बताने को काफी हैं कि उनका मतभेद अब तक पटा नहीं है। ऐसे में, भाजपा आम चुनाव का यह दांव अपने लिए कारगर मान सकती है।

इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि काफी मददगार हो सकती है। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य यजमान बनने की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फलक बढ़ सकता है। मुमकिन है, वह सिर्फ राजनेता नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ताना-बाना वाले नेतृत्व भी माने जाएं। कुछ लोग तो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ उनकी तुलना करने लगे हैं, जिनकी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने और सामाजिक व आध्यात्मिक रुचियों के कारण आम जनमानस में अलग छवि है। मगर यह तुलना अभी बहुत मायने नहीं रखती, लेकिन हां, प्रधानमंत्री मोदी सोमवार के आयोजन के बाद एक अलग दिशा में जरूर आगे बढ़ गए हैं।

क्या इससे भाजपा को लगातार तीसरा कार्यकाल मिल ही जाएगा? अगले चुनाव में श्रीराम मंदिर का असर तो जरूर रहेगा, लेकिन उत्तर भारत जितना राममय है, दक्षिण भारत इससे उतना प्रभावित नहीं है। मैं पिछले दिनों महाराष्ट्र और कर्नाटक के दौरे पर थी, जहां मैंने अयोध्या मंदिर को लेकर उतना उभार नहीं देखा, जितना मुझे बिहार, उत्तर प्रदेश या दिल्ली में दिख रहा है। चूंकि पिछले आम चुनाव में भाजपा उत्तर भारतीय राज्यों में अपने शीर्ष पर पहले ही पहुंच चुकी है, इसलिए अगर अपने मतभेदों को दूर करके विपक्ष एक होकर उसे टक्कर दे सका, तो यहां उसे कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है। दक्षिण भारत में तो भाजपा के लिए चुनौतियां ज्यादा हैं। ऐसे में, अगला लोकसभा चुनाव दिलचस्प बन सकता है। मुमकिन है कि विपक्ष भाजपा को बहुमत से दूर रखने की रणनीति पर काम कर रहा हो, अगर ऐसा हो सका, तो भाजपा पर दबाव बढ़ सकता है।

स्पष्ट है, अभी जो हिंदू चेतना दिख रही है, उसका कुछ हद तक असर जरूर होगा, लेकिन इसके राजनीतिक प्रभाव की व्यापकता का आकलन फिलहाल नहीं किया जा सकता। उत्तर भारतीयों के लिए सनातन का एक संस्कार रहा है। यह यहां के जनजीवन में रचा-बसा है। माता-पिता, बच्चों, समाज या देश के प्रति जो आम लोगों की जिम्मेदारी रही है, उसी को हिंदू धर्म का निहितार्थ माना जाता रहा है। इसीलिए इसमें तमाम तरह के मत व ग्रंथ हैं और इसका कोई एक स्वीकृत ढांचा नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से इसको एक ढांचागत स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। इस रूप को भारतीय समाज कितना और किस रूप में स्वीकार करेगा, इसका जवाब अभी मुश्किल है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

अयोध्या में भव्य मंदिर समारोह और बदलता हुआ भारत

मनु जोसेफ़ पत्रकार और उपन्यासकार

अयोध्या में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा पर चारों ओर अत्यधिक उत्साह दिख रहा है। बीते दिन मेरी कॉलोनी में ही 'राम' ब्रांड नाम वाली सुगंधित मोमबत्तियां वितरित करने के लिए एक सुरक्षा गार्ड तैनात किया गया था, मैंने भी भेंट को स्वीकार किया।

निस्संदेह, 'कुछ लोग' बहुत प्रसन्न हैं और भारत में कुछ लोग भी करोड़ों में हो सकते हैं। उस दिन मेरा कैब ड्राइवर भगवान राम की छवि वाली भगवा टोपी पहने एक भजन बजाते हुए आया। मैं हर बार कार में बैठते ही ड्राइवर से संगीत बंद करने को कहता हूं। इस बार भी मैंने कहा, तो लगा कि मेरे कहने के बाद परेशानी खड़ी हो जाएगी, पर ड्राइवर ने साउंड सिस्टम बंद कर दिया। उसने मुझे देखा, फिर उसने एप पर मेरा नाम चेक किया और रियर-व्यू मिरर में मुझे फिर देखा, पर हम जल्दी ही बात करने लगे और दोस्त बन गए। मैंने उससे कहा कि राम अभिषेक को लेकर सामूहिक स्तर पर वास्तविक उत्साह कुछ कम है, उसने भी मेरे विचार को बदलने की कोई कोशिश नहीं की। आज वैसा सामूहिक उत्साह नहीं है, जैसा 1990 के दशक में हुआ करता था। मुझे लगता है, शायद इसी तरह से कोणार्क मंदिर में भी कभी प्राण-प्रतिष्ठा की गई होगी, तब भी गुरुकुल, विद्यालय बंद रहे होंगे। जब मीर बाकी ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनवाई होगी, तब उसके उद्घाटन के लिए भी पूरा शहर थम गया होगा। शायद तब भी विशिष्ट जन आमंत्रित रहे होंगे।

मुझे आश्चर्य है कि क्या मंदिर या मस्जिद बनाने का कार्य पुराने दिनों में भी बड़े पैमाने पर धार्मिक उत्साह जगाने में विफल रहा था? वैसे मंदिर पर बहुत व्यापक धार्मिक उत्साह न होने की एक तात्कालिक वजह भी है। यह संकेत है, धर्मनिष्ठ हिंदू जानते हैं कि उन्होंने अंतत: महत्वपूर्ण तरीके से भारत को वापस जीत लिया है; सदियों से चला आ रहा सांस्कृतिक युद्ध खत्म हो गया है।

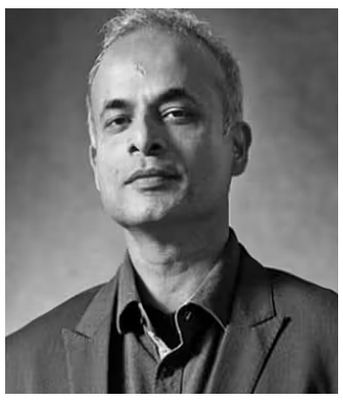

बेशक, भारत में हिंदू के पीड़ित होने की भावना हमेशा से बनी रही है, तो दूसरी ओर, कुछ लोगों को यह भी शंका होती है कि इस देश में हिंदू ज्यादा मजबूत हैं। यदि अयोध्या में विजय का सर्वोच्च गौरव समभाव या सद्भाव से मिला है, तो इसका एक फल यह भी है कि विजेता पक्ष अपनी विजय को सहजता से स्वीकार कर रहा है। कुल मिलाकर, सवाल यह भी है कि भारत के लिए आगे क्या है?

मुझे उम्मीद है, हम हिंदू संदर्भ में संयुक्त अरब अमीरात या यूएई की तरह हो सकते हैं। वहां देश की इस्लामी पहचान की स्पष्टता के बावजूद धर्मनिरपेक्ष आधुनिकता को भी सहेजा जाता है। वहां ऐसा करना, पश्चिमी निवेश को आकर्षित करने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी है। ऐसे में, दुबई की धर्मनिरपेक्षता कारगर है। यह अस्तित्व में है और अपने संकीर्ण दायरे में सुसंगत भी है। हालांकि, एक तर्क यह भी है कि भारत में दुबई जैसी सतही धर्मनिरपेक्षता संभव नहीं हो सकती, क्योंकि यूएई में मौजूद अस्थायी अल्पसंख्यक समूहों के विपरीत भारत में मुस्लिम आबादी बहुत ज्यादा है।

ध्यान रहे, सदियों से हिंदू धर्म देश की निर्विवाद नींव रहा है और जाति व्यक्ति की प्रभावी सामाजिक पहचान रही है। मुस्लिम आक्रमणों व इतिहास के मुगल दौर से पहले हिंदू धर्म भारत के लिए इतना मौलिक था कि यहां कुलीन हिंदुओं ने ईसाई, बौद्ध, जैन धर्म और कई लुप्त हो चुके विश्वासों, पंथों के साथ भी अच्छा व्यवहार किया, अपना हिंदूपन खोने के भय के बिना। हालांकि, ज्यादातर लोगों के लिए जो कभी नहीं बदली, वह थी उनकी जाति। हिंदू आस्था के शानदार पुनरुत्थान के बावजूद जाति संबंधित संघर्ष जारी रहने की आशंका है।

अब भारतीय समाज दस साल पहले की तुलना में बहुत बदल चुका है। भारतीय जीवन की आपाधापी में कुछ स्वतंत्रताएं लोगों तक पहुंच गई हैं और अब सांस्कृतिक शासन बहुत व्यवस्थित दिखाई देने लगा है। अब जो सांस्कृतिक बदलाव चल रहा है, उसमें आगे की योजना और अनुशासन को जरूर शामिल करना चाहिए। गौरव के इन पलों में भी ध्यान रखना होगा कि भारत में जीवन बचाने और आधुनिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने वाली सभी चीजें धर्म या राजनीति के दायरे में नहीं आती हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सुशासन, रामराज्य और राम मंदिर

नितेश कुमार मिश्रा

आज के इस लेख की शुरुआत हम सबसे पहले जय श्री राम के नारे के साथ करते हैं। जय श्री राम यह महज एक नारा नहीं अपितु पूरे देश के साथ-साथ संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में बांधने का एक माध्यम है। पिछले दिनों अरब के शेख को भी मोरारी बापू के राम-कथा के मंच पर अपने अभिभाषण की शुरुआत जय श्री राम के नारे के साथ करते हुए देखा गया। अरब, जो पूरी तरह से मुस्लिम बहुल क्षेत्र है और वहाँ के शेख द्वारा जय श्री राम कहना यह साबित करता है कि यह नारा न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी बड़े उत्साह के साथ अपनाया जा रहा है।

अगर हम इस जय श्री राम के नारे की बात करें तो इतिहास में इसका सबसे ज़्यादा चलन श्रीराम द्वारा लंका विजय के दौरान वानर सेना द्वारा श्रीराम सेतु के निर्माण के समय में किया गया। श्रीराम की सेना समुद्र पर सेतु के निर्माण के लिए श्रीराम का नाम पत्थरों पर लिखकर डाला करते थे जिसके प्रभाव से समुद्र में पत्थर तैरने लगते थे और सेतु का निर्माण आसानी से होता चला गया और तभी से इस नारे का महत्त्व ज़्यादा चलन में आया और एक बड़े जन-समूह द्वारा अपनाया गया। लंका विजय के पश्चात श्रीराम अयोध्या लौटे और वहाँ के राजा बने। अपने शासन काल में उन्होंने जो जनता के लिए कार्य किये वो भी समाज का आदर्श उदाहरण सिद्ध हुआ जिसे रामराज्य कहा गया। और इसी रामराज्य की परिकल्पना को अपनाने की बात 1947 में अंग्रेजों से देश को आज़ादी मिलने के बाद उस समय के महान नेताओं और राजनीतिज्ञों द्वारा की गयी विशेष कर गाँधीजी द्वारा।

आज़ादी के बाद हमारे देश में शासन की लोकतंत्रात्मक व्यवस्था को अपनाया गया। वास्तव में, लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था इसी रामराज्य का ही एक परिमार्जित रूप है। वर्तमान समय में रामराज्य का प्रयोग सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के प्रतीक के तौर पर किया जाता है। जब देश में सुशासन शब्द का प्रयोग किया गया तो इसके अर्थ को जन-साधारण तक सरल भाषा में समझाने के लिए भी इसी रामराज्य शब्द को ही प्रचलित किया गया। सुशासन को और अधिक अच्छे से समझने के लिए हम कह सकते हैं कि शासन का अच्छे तरीके से क्रियान्वयन करना ही सुशासन है जिसमें विधि का शासन,समानता, जन-भागीदारी, बहुमत, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, निष्पक्ष आकलन जैसे विशेषताओं का समावेश होता है और यदि हम श्रीराम के शासन के काल को पढ़ेंगे तो पाएंगे कि ये सारी विशेषताएँ उनके शासन काल में विद्यमान थी। अर्थात सरल भाषा में सुशासन का अर्थ रामराज्य है और रामराज्य का अर्थ सुशासन। अत: सुशासन और रामराज्य एक-दूसरे के पर्याय हैं। इस रामराज्य की जानकारी हमें रामायण और रामचरितमानस जैसे ग्रंथों से हुई। ये रामायण और रामचरितमानस सिर्फ ग्रंथ नहीं हैं बल्कि ये समाज के संविधान हैं। और इसके विशेषताओं और विचारों को समझने के लिए, साथ ही, एक बड़े जन-समूह पर शासन को कैसे क्रियान्वित किया जाए, इसकी जानकारी फैलाने के उद्देश्य से रामलीला का मंचन प्राचीन काल से किया जाता रहा है और वर्तमान समय में भी नवरात्रि आदि पर्व के विशेष अवसर पर हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में रामलीला का मंचन प्राय: किया जाता है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या है और जब भारत पर मुगलों का शासन था तो उस स्थान पर एक मस्जिद का निर्माण कर दिया गया और धीरे-धीरे अयोध्या श्रीराम की जन्मस्थली से कम और बाबरी मस्जिद के कारण ज़्यादा लोकप्रिय होने लगी। परंतु वर्ष 1992 में श्रीराम के भक्तों ने उस तथाकथित बाबरी मस्जिद का विध्वंस कर दिया। मामला तूल पकड़ता हुआ नजर आया तो इसे न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत किया गया और प्रभु की कृपा और श्रीराम भक्तों के त्याग, समर्पण और प्रयास से न्यायालय द्वारा सघन जाँच और अनेक तथ्यों और सबूतों के आधार पर यह स्पष्ट किया गया कि विवादित स्थल प्रभु श्रीराम की ही जन्मभूमि है। न्यायलय के इस निर्णय के बाद अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बनाने का कार्य युद्ध-स्तर पर चालू हुआ जिससे रोजगार के कई अवसर सृजित हुए।

अब 22 जनवरी 2024 को श्रीराम का प्राण-प्रतिष्ठा के साथ मंदिर आम लोगों के लिए खोल दिए जाएंगे। जब लोग यहाँ आयेंगे तो इस क्षेत्र का विकास भी अधिक होगा और रोजगार के अवसर भी दिन-प्रतिदिन बढ़ेंगे। पर्यटन से यहाँ एक अच्छी कमाई की जा सकेगी जिससे देश के विकास में भी योगदान संभव हो पायेगा। यहाँ आकर लोग श्रीराम के जीवन, व्यवहार, आदर्श आदि का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे। जानकारों की माने तो इस मंदिर परिसर में पूरे रामायण काल का वृतान्त दर्शाया गया है तो इसके माध्यम से शासन, प्रशासन और राजनीति के क्षेत्र में कार्यरत लोग अच्छी जानकारी एकत्रित कर देश को आगे बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। श्रीराम के मंदिर में जो 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा का मुहूर्त तय हुआ है इसका एक असर देश के विभिन्न भागों में गर्भवती महिलाओं में भी देखा जा रहा है।

दो लाख रुपए देने का नीतीश का चुनावी जुमला

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में हुए आर्थिक, सामाजिक सर्वे के आंकड़े पेश करते हुए पिछले साल के आखिर में बिहार की भयंकर गरीबी की सचाई जाहिर की थी। उस समय उन्होंने बताया था कि राज्य में 94 लाख परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। ऐसे परिवार को नीतीश कुमार ने दो दो लाख रुपए देने का ऐलान किया था। अब उनकी सरकार ने इसका फैसला कर लिया है और अगले महीने से गरीब परिवारों को दो दो लाख रुपए दिए जाएंगे। सरकार ने बताया है कि लघु या कुटीर उद्योग के लिए यह पैसा दिया जाएगा और सरकार इसे वापस नहीं लेगी। यानी यह कर्ज नहीं है, बल्कि छोटा मोटा कारोबार शुरू करने के लिए अनुदान है। ध्यान रहे जिस समय नीतीश कुमार ने इसका ऐलान किया उससे थोड़े दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना की घोषणा की थी, जिसके लिए कारीगर जातियों को छोटी छोटी मदद दी जाएगी ताकि वे अपना कोई काम धंधा शुरू कर सकें। नीतीश की योजना उसी का जवाब है।

लेकिन भारत सरकार की योजना जहां 14 हजार करोड़ रुपए की है वहीं नीतीश कुमार की योजना दो लाख करोड़ रुपए की है। अब सवाल है कि करीब एक करोड़ परिवारों को दो दो लाख करोड़ रुपए देने के लिए बिहार सरकार के पास पैसा कहां से आएगा? बिहार सरकार का बजट दो लाख 62 हजार करोड़ रुपए का है। अगर पांच साल में दो लाख करोड़ रुपए बांटने हैं तो हर साल 40 हजार करोड़ रुपए इसमें से कहां से निकलेगा? क्या सरकार कर्ज लेगी? बिहार का कर्ज पहले से जीडीपी के 38 फीसदी तक पहुंच गया है और बजट का बड़ा हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है। तभी सरकार का दो लाख रुपए बांटने की योजना चुनावी जुमला लग रही है, जिसमें थोड़े बहुत पैसे चुनाव तक बांटे जाएंगे। पहले चरण में फरवरी में पांच लाख परिवारों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे और अप्रैल में दूसरे चरण में 20 लाख परिवारों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

महामृत्युंजय मंदिर में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह लाईव दर्शन का हुआ भव्य आयोजन

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के आवासीय परिसर स्थित श्री महामृत्युंजय महादेव मंदिर में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लाईव दर्शन का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा व उत्साह के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाईव दर्शन किया, पूरे कार्यक्रम के दौरान '' जय श्रीराम '' का उद्घोष होता रहा एवं श्रद्धालुओं की भक्ति भावना व उत्साह अपने चरम पर था। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पावन तीर्थ स्थली अयोध्या में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा सम्पन्न श्रीराम मंदिर में प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का लाईव दर्शन कराये जाने हेतु श्री महामृत्युंजय मंदिर समिति तथा कार्यक्रम संयोजक अरूण कुमार शर्मा की देखरेख में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थी, मंदिर परिसर में एक बड़ी एल.ई.डी. स्क्रीन लगाई गई थी, जिस पर अयोध्या में सम्पन्न हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण हो रहा था। इस दौरान मंदिर परिसर में हजारों श्रद्धालु पहुंचे तथा अपनी भक्तिभाव भरी उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाईव दर्शन किया। महिला, पुरूष, नौजवान, बच्चे सभी ने कार्यक्रम में भाग लेकर श्रीरामलला व प्राण प्रतिष्ठा की सम्पूर्ण विधि का दर्शन किया व धर्म लाभ प्राप्त किया। इसी के साथ ही श्रीमहामृत्युंजय मंदिर में महाआरती व भव्य आतिशबाजी की गई व श्रद्धालुओं व नागरिकों को प्रसाद व मिष्ठान का वितरण किया गया।

सड़क एवं नाली निर्माण के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं : कलेक्टर

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक लेकर स्वीकृत व अपूर्ण निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए सभी निर्माण विभाग सीसी रोड निर्माण, नाली निर्माण जैसे छोटे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं। साथ ही स्कूलों एवं आश्रम-छात्रावासों के मरम्मत कार्य को भी गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द पूर्ण करें। इस हेतु उन्होंने आरईएस एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकाय, पीएमजीएसवाई, पीडब्ल्यूडी, सेतु विभाग, आरईएस, आदिवासी विकास विभाग, गृह निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी आदि के विभागीय कार्यों, डीएमएफमद के कार्यों तथा सीएसआर मद के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा विभागों में स्वीकृत व अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थल विवाद के कारण निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। इस हेतु स्थल विवाद के प्रकरण संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार के सहयोग से प्राथमिकता से निराकृत करा लिए जाएं जिससे निर्माण कार्य शीघ्रता से पूर्ण किए जा सकें। साथ ही सभी विभागीय अधिकारी निर्माण कार्यों में लगे क्रियान्वयन इकाई की समय-समय पर बैठक लेकर कार्य प्रगति की समीक्षा करें। स्कूल जतन योजना के तहत विद्यालयों के जीर्णोद्धार कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जीर्णोद्धार कार्य फरवरी माह तक पूर्ण कर लिए जाएं। ग्राम पंचायतों में शासकीय निर्माण कार्यों के लिए भूमि अनुपलब्धता या भूमि विवाद की जानकारी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के संज्ञान में लाकर निराकृत किए जाएं।

श्रीराम के आदर्शों पर चलकर संवारेंगे छत्तीसगढ़ः विष्णु देव साय

- मुख्यमंत्री साय ने शिवरीनारायण में कहा माँ शबरी के धैर्य और भक्ति के आगे हम सभी नतमस्तक
- प्रधानमंत्री ने माँ शबरी के माध्यम से जगाया हर भारतीय में सक्षम भारत का विश्वास

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। पूरे राष्ट्र और दुनिया के सबसे ऐतिहासिक समारोह श्री रामलला के प्राणप्रतिष्ठा के अवसर का अवलोकन करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ की पवित्र भूमि में से एक शिवरीनारायण पहुँचे जहां भगवान श्रीराम ने माता शबरी के जूठे बेर खाये थे। इस जगह पर उन्होंने प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम का अवलोकन किया और अभिभूत हुए। शिवरीनारायण के नागरिकों के लिए अभिभूत करने वाले दो क्षण आये। पहला तो तब जब रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई।

दूसरा क्षण तब आया जब माता शबरी का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सुदूर कुटिया में जीवन गुजारने वाली मेरी आदिवासी माँ शबरी का ध्यान आते ही अप्रतिम विश्वास जागृत होता है। माँ शबरी तो कब से कहती थी राम आयेंगे। प्रत्येक भारतीय में जन्मा यही विश्वास सक्षम भव्य भारत का आधार बनेगा। यही तो है देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि श्रीराम के आदर्शों पर चलकर हम छत्तीसगढ़ संवारेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का उल्लास पूरे प्रदेश में नजर आया, शिवरीनारायण में भी नागरिक इस पवित्र क्षण में बहुत उत्साहित दिखे। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह हम सबके लिए यह ऐतिहासिक क्षण है कि हम अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सुंदर संबोधन भी दिया है और माता शबरी के धैर्य के माध्यम से हमें सीख दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हमने श्री रामलला की प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम की संपूर्ण प्रक्रिया को विस्तार से देखा। भगवान श्रीराम की अलौकिक बाल प्रतिमा का दर्शन हुआ। हम सब अभिभूत हुए। यह खुशी का क्षण इसलिए भी है कि हमने यह सब माता शबरी के पवित्र धाम शिवरीनारायण की पावन भूमि में देखा। एक पावन भूमि में हमने एक और पवित्र भूमि में होने वाले अद्भुत प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखा। हमारे लिए यह सौभाग्य इसलिए भी बहुत बड़ा है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। माता कौशल्या की जन्मभूमि है। आज केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया राममय हो गई है। दुनिया भर में सब अलग-अलग तरह से खुशियों की अभिव्यक्ति कर रहे हैं। हमारा सौभाग्य है कि हमने अपने धान के कटोरे से भगवान के भोग के लिए सुगंधित चावल भेजा है। छत्तीसगढ़ के राईस मिलर्स ने यह चावल भेजा है। बहुत खुशी की बात है कि ननिहाल के चावल से रामलला का भोग तैयार हुआ है। हमारे सेवाभावी डाक्टरों की टीम अयोध्या गई हुई है जो रामभक्तों के इलाज के सेवाकार्य में लगी हुई है। कल ही एक समूह और रवाना होगा जो अयोध्या धाम में 60 दिनों तक भंडारा चलाएगा। छत्तीसगढ़ में हम लोगों के लिए आज की घड़ी बहुत शुभ घड़ी है। हम श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ को संवारने का काम करेंगे।

इस मौके पर छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर ने भी उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। श्री माथुर ने कहा कि आज जय श्री राम का जयघोष अयोध्या तक जाना चाहिए। शबरी माता की भूमि पर आयोजित इस पावन कार्यक्रम में उपस्थित सभी को अभिनंदन करता हूँ। हम सबका सौभाग्य है कि 500 वर्षों के त्याग, बलिदान का फल आज हमें मिला है।

हमारा समाज समतापूर्ण रहा है। प्रभु राम ने कभी किसी के बीच भेद भाव नहीं किया। उन्होंने वनवासियों का आतिथ्य स्वीकार किया। यही हमारी संस्कृति है। आज हमारे लिए गौरव का दिन है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जनसंपर्क विभाग की ओर से तैयार की गई कॉफी टेबल बुक ''हम सबके राम'' और कैलेंडर ''रामो विग्रहवान धर्मः'' का विमोचन भी किया। यह संग्रह श्रीराम के अयोध्या धाम से छत्तीसगढ़ में वनवास के दौरान की कथाओं पर आधारित है। इस दौरान महंत राजेश्री रामसुंदर दास, सांसद गुहाराम अजगल्ले, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश, जनसम्पर्क आयुक्त मयंक श्रीवास्तव, संभागायुक्त बिलासपुर श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, आईजी अजय यादव, कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी विजय अग्रवाल भी मौजूद रहे।

रामनामियों ने अपना मोर मुकुट पहनाकर किया अभिनंदन- रामनाम को अपने अंग-अंग में हृदय में तथा चेतना में बसाने वाले रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को अपना परंपरागत मोर मुकुट पहनाकर अभिनंदन किया। उनके मोर मुकुट में राम नाम लिखा होता है। मुख्यमंत्री के साथ ही उन्होंने ओम माथुर को भी मोर मुकुट पहनाया।

श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने दूधाधारी मठ में किया राम-दरबार का दर्शन

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। अयोध्या में हो रही श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सवेरे राजधानी रायपुर स्थित दूधाधारी मठ पहुंचकर राम-दरबार का दर्शन किया। उन्होंने गौ माता की भी पूजा-अर्चना कर उन्हें भोग लगाया। श्री रामलला महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम जांजगीर-चांपा जिले के शिविरीनारायण में आयोजित किया गया है। श्री साय वहीं शामिल होकर वर्चुअल माध्यम से अयोध्या में हो रही प्राण-प्रतिष्ठा के दर्शन करेंगे।

शिविरीनारायण के लिए रवाना होने से पूर्व मुख्यमंत्री सुबह दूधाधारी मठ पहुंचे थे। उन्होंने मठ में भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने मठ में स्थापित भगवान श्री राम जानकी, श्री स्वामी बालाजी और संकट मोचन हनुमान जी सहित अन्य देवताओं की पूजा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जी प्रतिष्ठित हो रहे हैं, पूरा देश और अयोध्या राममय हो गया है। यह मेरा सौभाग्य है कि 500 साल पुराने राजधानी रायपुर स्थित दूधाधारी मठ में आने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। दूधाधारी मठ के प्रमुख राजेश्री महंत रामसुंदर दास ने कहा कि आज दूधाधारी मठ को अयोध्या का स्वरूप दिया गया है। अयोध्या में भगवान राम लगभग 500 साल बाद गर्भगृह में स्थापित हो रहे हैं। मंदिर परिसर में स्थापित स्वामी बालाजी एवं श्री राम जानकी को आज के विशेष अवसर पर स्वर्ण श्रृंगार से सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि राम नवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और विजयादशमी के विशेष अवसर पर ही साल में तीन बार दूधाधारी मठ में स्वामी बालाजी और श्रीराम जानकी को स्वर्ण श्रृंगार से सुसज्जित किया जाता है।

इस अवसर पर सांसद श्री सुनील सोनी, रायपुर (उत्तर) के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से ननिहाल में भी आएगी सुख समृद्धिः मुख्यमंत्री साय

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद उनके ननिहाल की धरती को मिले, मेरी यही प्रार्थना है। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से प्रदेश समृद्ध और खुशहाल हो। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के जयस्तंभ चौक में सार्वजनिक श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में आयोजित श्रीराम चरित मानस अखंड रामायण पाठ में शामिल होकर यह आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर उन्होंने भगवान राम और माता जानकी की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज का पावन दिन स्वर्णाक्षरों से लिखा जाएगा। पांच सौ वर्षों की तपस्या के बाद यह सुअवसर आया है। हमारे भांचा राम एक टेंट से बाहर निकलकर भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए हैं। हम सभी के लिए भी यह खुशी की बात है। श्री साय ने कहा कि आज लोग अलग-अलग तरीके से खुशियां मना रहे हैं। पूरा प्रदेश राममय है।

श्री साय ने कहा कि लव-कुश को समर्पित बैंड की यह धुन अभिभूत कर रही है। इस पुण्य आयोजन के लिए उन्होंने श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति को बधाई दी। गौरतलब है कि आज अयोध्या में हुए श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर श्री राम चरित मानस अखंड रामायण पाठ आयोजन किया गया।

ये सेकुलर हैं या जलनकुकड़ों की फौज

श्रीकंचनपथ

देश के सेकुलरों और जलनकुकड़ों के बीच ज्यादा फर्क नहीं रह गया है। जब पूरा देश अयोध्या में लिखे जा रहे इतिहास पर आह्लादित हो रहा है, तब इन तथाकथित सेकुलरों के पेट में मरोड़ पड़ रही है। दरअसल, ये सेकुलर हैं ही नहीं। होते तो इन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ना था कि मंदिर कैसे बन रहा है, कहां बन रहा है, वह पूर्ण है या अपूर्ण, वास्तुशास्त्र क्या कहता है, पंचांग क्या कहता है, आदि-आदि, इत्यादि। सेकुलरों की यह फौज उस पुलाव में नुक्स निकाल रही है जिसे लोग चाव से खा रहे हैं। सेकुलर कहलाने के भ्रम में यह वर्ग असंतोष के एक ऐसे दलदल में जा फंसा है जिससे बाहर निकलना नामुमकिन नहीं तो आसान भी नहीं है। सेकुलरिज्म या धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत है कि वह लोगों को उनके अपने तरीके से स्व-धर्म का पालन करने देगा। किसी के तौर तरीकों में मीनमेख नहीं निकालेगा और न ही किसी के धर्म पालन की राह में मुश्किलें खड़ी करेगा। अगर, वह तटस्थ रहता तो उसे इस बार पर गर्व होता कि अयोध्या में देश का सबसे बड़ा और विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मंदिर बन रहा है। एक ऐसा मंदिर जो उत्तर प्रदेश सहित पूरे भारत वर्ष के पर्यटन उद्योग के लिए संजीवनी साबित हो सकता है। एक ऐसा मंदिर जिसे भव्य बनाने के लिए देशवासियों ने करोड़ों रुपए का अंशदान किया। एक प्राचीन शहर का कायाकल्प हो गया। अयोध्या न केवल चौड़ी चिकनी सड़कों से जुड़ गई बल्कि वहां नागरिक एवं पर्यटन सुविधाओं का भी ऐसा विकास हो गया, जिसकी कुछ साल पहले तक लोग कल्पना भी नहीं कर सकते थे। इस मंदिर के निर्माण में देश के पूर्व से लेकर पश्चिम तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक की संस्कृतियों और शैलियों का समावेश किया गया है। यह एक ऐसी संरचना है जहां भारतीय परम्पराओं और आस्था का दिल धड़कता है। जो इसे महसूस नहीं कर पा रहा है, वह या तो मृत है या फिर मरने का ढोंग कर रहा है। हकीकत तो यही है कि उसे खूब समझ में आ रहा है कि उससे एक बड़ी गलती हो गई है। पर समझ में यह नहीं आ रहा है कि इस गलती को सुधारा कैसे जाए। दिक्कत यह भी है इस भयानक रोग का इलाज कराने में भी उसे डर लग रहा है। किसी बड़े अस्पताल में जाने की बजाय वह उन झोला छाप डाक्टरों के पास जा रहा है जो प्रत्येक बीमारी का शर्तिया इलाज करने का दावा करते हैं। शिक्षित और अनुभवी समाज जानता है कि ऐसे दावे अकसर खोखले होते हैं। उन्हें खीझ है कि भाजपा राजनीति कर रही है। तो इसमें गलत क्या है? भाजपा एक राजनीतिक पार्टी है। वह राजनीति नहीं करेगी तो और क्या करेगी। अगर कांग्रेस का मंदबुद्धि नेतृत्व देश के मनोभावों को ताड़ नहीं पाता है तो यह उसकी अपनी समस्या है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान

पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है

रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

पुरखौती मुक्तांगन में बनेगी रामलला मंदिर की प्रतिकृतिः पर्यटन मंत्री अग्रवाल

श्रीकंचनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अयोध्या में तैयार किए गए राम मंदिर की प्रतिकृति तैयार की जाएगी। संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज यहां कौशल्या माता धाम में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा आयोजित रामोत्सव के आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन परिसर में भव्य और दिव्य राम मंदिर प्रतिकृति तैयार की जाएगी। यह अयोध्या में बनाए गए राम मंदिर की हुबहू प्रतिकृति होगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम की तर्ज पर कौशल्या माता धाम का भी विकास किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और सांसद सुनील सोनी ने माता कौशल्या पर आधारित विशेष डाक टिकिट विमोचन किया। इस मौके पर विधायक गुरु खुशवंत साहेब भी विशेष तौर पर उपस्थित थे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने रामोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरे देश में उमंग और उत्साह का वातावरण है। यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरवान्वित करने वाला क्षण है। छत्तीसगढ़ राज्य के भांजा श्री रामलला का आज अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा हुआ और 550 वर्षो का इंतजार खत्म हुआ है। उन्होंने ने कहा कि प्रभु श्री राम के जीवन के बारे में सभी को जानना है और उनके चरित्र को अपने जीवन में उतारना है।

प्रभु राम की ही कृपा है कि आज अयोध्या में श्री राम के मंदिर का निर्माण हुआ। छत्तीसगढ़ रामलला के ननिहाल है, और मैं गर्व से कह सकता हूं कि देश के एकमात्र कौशल्या माता जी का मंदिर सिर्फ कौशल्या धाम चंद्रखुरी में है और ये हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह कौशल्या माता के जनभूमि है तो प्रभु श्री राम अपने मामा घर कई बार आए होंगे, हम सौभाग्य शाली है कि प्रभू राम छत्तीसगढ़ के मिट्टी में खेले-कूदें है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राचीन समय का कोसल प्रदेश है और प्रभु राम वनवास काल में सरगुजा से लेकर बस्तर तक पैदल चल-चल कर 14 वर्षो में से 10 से अधिक वर्ष छतीसगढ़ के पावन धरा में व्यतीत किए हैं, यहां को अनेक स्थलों से गुजरे और रुके है इस दौरान प्रभु श्री राम को माता सबरी ने चख-चख कर मीठे बेर खिलाए है। छत्तीसगढ़ के धरती को माता कौशल्या और प्रभु श्री राम के आशीर्वाद है और छत्तीसगढ़ देश का सबसे विकसित राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

विगत 550 वर्षों के सपनो को पूरा करने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का देश को एक तोहफ़ा है। प्रभु राम जन-जन, कण-कण में बसे हैं। हम लोग हमेशा बात करते थे की रामराज्य आयेगा और आज रामराज्य आ गया है अब सभी वर्गों को न्याय मिलेगा, सबको घर मिलेगा, सबको पानी मिलेगा, राशन मिलेगा, सबको रोजगार मिलेगा, बिजली मिलेगा अब सबका सपना साकार होगा।

लोक कलाकारों ने दी भक्तिमय प्रस्तुति

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक कलाकार राकेश तिवारी एवं साथी द्वारा राम वन गमन नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा श्रीमती गोपा सान्याल एवं साथी द्वारा राम भजन, श्रीमती अल्का चंद्राकर एवं साथी द्वारा भजन, जसगीत एवं लोकगीत के साथ ही अनेक मानस मंडली द्वारा मानस गायन की रंगारंग प्रस्तुति दी गई।

गंगा आरती, आतिशबाजी और लेजर म्यूजिक शो

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल कौशल्या धाम पहुंच कर माता कौशल्या का दर्शन कर पूजा अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वे जलसेन तालाब घाट में रामलला आरती और गंगा आरती में भी शामिल हुए। भव्य रूप से सुसज्जित किया गया था। कार्यक्रम में आकर्षक आतिशबाजी के साथ ही लेजर म्यूजिक शो का भी आयोजन किया गया।

श्रीराम मंदिर देश की आन, बान, शान और स्वाभिमान का प्रतीक : अरुण साव

सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक प्रभु श्रीराम के पदचिन्हों पर चलने का दिया संदेश

श्रीकंचनथ न्यूज

रायपुर। जय श्रीराम की आकृति के दीपों का प्रज्वलन कर रामोत्सव का हुआ शुभारंभसांस्कृतिक विरासत के प्रतीक प्रभु श्रीराम के पदचिन्हों पर चलने का दिया संदेशजय श्रीराम की आकृति के दीपों का प्रज्वलन कर रामोत्सव का हुआ शुभारंभसांस्कृतिक विरासत के प्रतीक प्रभु श्रीराम के पदचिन्हों पर चलने का दिया संदेशजय श्रीराम की आकृति के दीपों का प्रज्वलन कर रामोत्सव का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के गौरवशाली पल का साक्षी बनने मुंगेली जिले के बरेला में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। बरेला में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री साव और अन्य अतिथियों ने जय श्रीराम की आकृति के दीपों का प्रज्वलन कर तथा रामलला की पूजा-अर्चना कर रामोत्सव का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रामोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि 500 वर्षों की लंबी तपस्या के बाद भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं है, बल्कि पूरे भारतवासियों की आन, बान, शान और स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रभु श्रीराम हम सबके श्रद्धा और आस्था के केन्द्र हैं। उनके बताए रास्ते से दुनिया में सुख, शांति और समृद्धि आ सकती है। उन्होंने कहा कि आज भगवान राम के इस उत्सव को पूरे देश के लोग मना रहे हैं। लोरमी में भी बेर से बने भगवान राम की आकृति निर्मित करने का रिकॉर्ड बना है। अब पूरा हिन्दुस्तान एक नई दिशा में एक नई सोच के साथ बढ़ेगा तथा छत्तीसगढ़ में रामराज्य का सपना साकार होगा।

श्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि छत्तीसगढ़ को खुशहाल और समृद्ध बनाने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हम सभी मिलकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन सहित सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सब के सहयोग से हम राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुंगेली के विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि 500 वर्षों की कठिन मेहनत के बाद आज रामलला की अपने स्थान पर प्राण प्रतिष्ठा हुई है। छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। हमारी सरकार ने सभी जिलों और विकासखंडों में रामोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया था। प्रभु श्रीराम आदर्श जीवन के प्रतीक रहे हैं। भगवान राम ने अपने आचरण से सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया, इसलिए उनको मर्यादा पुरूषोत्तम राम कहा जाता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए शांति के मार्ग पर चलते हुए लोगों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। मानस मंडलियों की भक्तिमय प्रस्तुति, चेक एवं वाद्य यंत्र वितरित कर किया गया सम्मानित बरेला में आयोजित कार्यक्रम में रामायण मंडलियों के मानस भजन कीर्तन से पूरा माहौल राम नाम की धुन से गुंजित हो गया। रामायण मंडलियों ने मानस गायन के माध्यम से रामकथा का रसपान कराया। मानस मंडलियों को अतिथियों ने चेक एवं वाद्य यंत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार सेवकों को शॉल और श्रीफल भेंटकर किया सम्मानित

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मंदिर निर्माण में सहयोग देने वाले कार सेवकों को सम्मानित किया। उन्होंने विधायक पुन्नुलाल मोहले, द्वारिका जायसवाल, मोहन भोजवानी और अन्य कारसेवकों को शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में लोरमी के पूर्व विधायक तोखन साहू, जिला पंचायत की सदस्य श्रीमती दुर्गा उमाशंकर साहू, मुंगेली के कलेक्टर राहुल देव, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, वनमंडलाधिकारी सत्यदेव शर्मा और जिला पंचायत के सीईओ प्रभाकर पांडेय सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

श्री रामलला के अयोध्या में विराजने से पूरे देश में दीपावली जैसा माहौलः विजय शर्मा

श्रीकंचनथ न्यूज

रायपुर। श्री रामलला के अयोध्या में विराजने से पूरे देश में खुशी का माहौल है। उनके ननिहाल छत्तीसगढ़ में भी दीपावली जैसा नजारा दिख रहा है। पूरे प्रदेश में रामोत्सव के साथ ही जगह-जगह शोभायात्रा, भण्डारा, मानस गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शर्मा आज यहां कर्वधा जिला मुख्यालय सहित अनेक गांव में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल हुए और शहर के मंदिरो में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता के सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने ग्राम बारदी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 5 लाख एवं शौचालय निर्माण के लिए 3 लाख रूपए की घोषणा की और गांवों में अन्य विकास कार्यो की स्वीकृति के लिए आश्वासन दिया।

इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि आज अयोध्या में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा पर पूरा भारत राममय हो गया है। आज देश भर में सभी जगह दीप उत्सव भी मनाया जा रहा है। मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधे प्रसारण की व्यवस्था से श्रद्धालु से जुड़े रहे और अयोध्या में रामलला के विराजने के साक्षी बने हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रभु श्री राम 500 साल बाद अपने घर मे विराजित हो रहे है। आज पूरा देश दीवाली मना रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम भारतीय जन चेतना के प्रतिमूर्ति है। इस दिन के लिए हमारे पूर्वजों ने प्रतीक्षा की थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का ननिहाल है। हमारे भाँचा भगवान राम को उनका दिव्य और भव्य मंदिर मिला है। हम सब इस उत्सव में भागीदारी देकर खुशियां मना रहे है। उन्होंने इस मौके पर सभी नागरिकों को अयोध्या में रामलला के विराजने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम आछी के मनकुंन्ना नदी तट के समीप नवदुर्गा मंदिर पहुँचकर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके पहले मनकुंन्ना नदी की पूजा-अर्चना भी की। जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित रामकथा, अखण्ड रामायण कथा एवं मानस गायन कार्यक्रम में शामिल हुए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

युगों-युगों से आदर्श के शिखर हैं राम। क्यों? यह सवाल समय-समय पर चिंतन का विषय रहा है। राम जितने साधु-संतों को प्रिय हैं, उतने ही आधुनिक मैनेजमेंट गुरुओं को भी। बात केवल लोकमानस में गहरे रची-बची श्रद्धा भावना की नहीं है। राम जीवन के हर क्षेत्र में, हर संघर्ष में सच्चाई, प्रेम, विनय, प्रतिबद्धता, एक-दूसरे के प्रति करुणा और साहस के साथ आगे बढ़ते हुए दिखते हैं। राम के यही गुण पीढ़ी दर पीढ़ी हर उम्र को प्रेरित करते रहे हैं, उन्हें अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

युवाओं के मन भाते राम

सफलता का रामबाण

आज 'रामबाण' शब्द श्रीराम की प्रभावशीलता की प्रतिध्वनि करते हुए 'सफलता' का पर्याय बन गया है। एक बार हमें दुनिया के सबसे सफल लोगों के एक समूह से बात करने के लिए बुलाया गया। सभी से परिचय कराया गया। उन्होंने एक व्यक्ति से परिचय कराते हुए कहा कि अमुक व्यक्ति बहुत सफल व्यवसायी हैं, पर इनका व्यक्तित्व बहुत चिड़चिड़ा है। एक अन्य व्यक्ति के बारे में बताया कि वह बहुत मूडी है। वहां किसी के चेहरे पर मुस्कान नहीं थी। किसी को हाई बीपी, किसी को टेंशन तो किसी को पेट की समस्या। क्या ये सफल लोग हैं? सफलता की परिभाषा क्या है? सफलता के लिए हमारा पैमाना अलग है। हमारे लिए, एक अटूट मुस्कान सफलता की निशानी है, ऐसा आत्मविश्वास जिसे हिलाया न जा सके। राम का जीवन इसी सहज मुस्कान व दृढ़ता का प्रतीक है।

हर कदम प्रतिबद्धता के साथ

हमारे जीवन में प्रतिबद्धता का होना जरूरी है। नदी को बहने के लिए दो किनारों की आवश्यकता होती है। बाढ़ और बहती नदी के बीच यही अंतर है कि नदी में पानी का प्रवाह एक दिशा में नियंत्रित होता है। बाढ़ के दौरान पानी अस्त-व्यस्त हो जाता है और उसकी कोई दिशा नहीं होती। इसी प्रकार, हमारे जीवन में ऊर्जा को प्रवाहित होने के लिए किसी दिशा की आवश्यकता होती है। यदि आप दिशा नहीं देंगे तो अव्यवस्था फैल जाएगी। आज अधिकांश लोग असमंजस में हैं, क्योंकि जीवन की कोई दिशा नहीं है। जब आप आनंदित होते हैं, तो आपके भीतर बहुत अधिक जीवन ऊर्जा होती है; लेकिन जब यह जीवन ऊर्जा नहीं जानती कि कहां जाना है, कैसे जाना है, तो यह अटक जाती है। जीवन ऊर्जा को एक दिशा में ले जाने के लिए श्रीराम सत्य, अनुशासन और प्रतिबद्धता को चुनते हैं। वह सदैव 'प्राण जाए पर वचन न जाए' के मार्ग पर चले।

राम सिखाते हैं अनुशासन का पाठ

गुरुकुल हो, वनवास हो, राजमहल या फिर युद्ध का मैदान, राम जहां होते हैं, वहां के नियम और व्यवस्था के अनुसार आचरण करते हैं। और नया सीखते हुए आगे बढ़ते रहते हैं। गुरुओं के समक्ष उनकी विनयशीलता और संयमित व्यवहार ज्ञान इच्छुकों के लिए आदर्श है। ज्ञान हासिल करना और सहजता से उसे पचाना राम जानते हैं। रचनात्मकता का भी स्थान है। जहां उत्पादकता अनुशासन पर निर्भर है, वहीं स्वतंत्रता के बिना रचनात्मकता दब जाती है। जीवन रचनात्मकता और उत्पादकता के बीच का संतुलन है।

बाहर और भीतर का संतुलन

राम का अर्थ है, 'मेरे हृदय का प्रकाश'। जो आपके भीतर प्रकाशमान है, वे राम हैं। ऊपर से केवल चमक दिखती है, पर गहराई के लिए भीतर उतरना पड़ता है। खुद को जानना पड़ता है। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है, 'दस रथों वाला'। कौशल्या का अर्थ है, 'कुशल'। दस रथों का कुशल सारथी ही राम को जन्म दे सकता है। जब पांचों ज्ञानेन्द्रियों और पांचों कर्मेन्द्रियों का कुशलता से उपयोग किया जाता है तो भीतर प्रकाश का उदय होता है। राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, 'वह स्थान जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता'। जब मन में कोई द्वंद्व नहीं होता तो प्रकाश का उदय होता है। लक्ष्य पूर्ति के लिए अपनी क्षमताओं का कुशलता से इस्तेमाल और द्वंद्व रहित दृढ़ता का होना सभी के लिए जरूरी है।

हर किसी के जीवन में घट रही है रामायण

हमारे भीतर नित्य रामायण हो रही है। राम चेतना हैं। सीता मन हैं। लक्ष्मण सजगता हैं। हनुमान श्वास हैं और रावण अहंकार और नकारात्मकता का प्रतीक है। सीता मन हैं। मन, चेतना का एक विशेष कार्य है। हम आपको देख रहे हैं तो हमारी चेतना का वह पहलू जो आंखों से देखता है, जो कानों से सुनता है, जो सुगंध या दुर्गंध सूंघता है, जो स्वाद लेता है, वही मन है। मन मित्र भी है और शत्रु भी। जब मन शत्रु होता है, तो यह आपको आपकी पिछली बातों और अनुभवों से जोड़ता है, आपकी परिस्थियों को नए दृष्टिकोण से देखने नहीं देता। कारण, हम जो कुछ भी इन्द्रियों से अनुभव करते हैं, वह मन के माध्यम से होता है; यहां तक कि ज्ञान भी। मन जब शत्रु होता है, तो आप हठी हो जाते हैं, जीवन में दुख और कठोरता आती है। जब मन मित्र होता है, तो वह आनंद, स्वतंत्रता और मुक्ति लाता है।

योगदान

श्रीराम लंका विजय हेतु समुद्र पर सेतु निर्माण का काम करवा रहे थे। वानर बड़े-बड़े पहाड़ों से शिला खण्ड उठा-उठा कर तथा बड़े-बड़े वृक्ष लाकर नल को दे रहे थे। नल के हाथ का स्पर्श होते ही पत्थर समुद्र पर तैरने लगते थे। सेतु निर्माण कार्य शीघ्रता से आगे बढ़ रहा था। राम और लक्ष्मण सेतु के पास खड़े निर्माण कार्य का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर रहे थे। उस समय एक गिलहरी ने सोचा कि सेतु का काम जल्दी पूरा होना चाहिए, इसलिए मैं भी यथाशक्ति मदद करुंगी। गिलहरी ने समुद्र में गोता लगाया और फिर तट पर आकर रेत पर लेट गई। दोबारा फिर वह सेतु के पास गई और अपने शरीर पर लगीरेत को झटका देकर गिराने लगी। बार-बार गिलहरी ने ऐसा किया। राम की दृष्टि उस गिलहरी पर गई तो उन्होंने कहा, 'देखो लक्ष्मण! यह गिलहरी अपनी शक्ति अनुसार पुल निर्माण में तट की बालू रेत को पुल तक पहुंचाकर मेरी सहायता कर रही है।' राम ने सुग्रीव से कहा कि बड़े प्रेम से इस गिलहरी को मेरे पास ले आओ। सुग्रीव उसे पकड़कर लाए और राम के हाथों में दे दिया। श्रीराम ने गिलहरी की प्रशंसा की और अपना दाहिना हाथ उसकी पीठ पर फेरा और फिर उसे वहां से सुन्दर स्थान पर छोड़ आने को कहा । भाव यह है कि किसी अच्छे और बड़े संकल्प में हर किसी को जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। भले ही योगदान छोटा हो। निस्वार्थ भाव से की गई कोशिशों पर कभी न कभी सबका ध्यान जाता है।

लक्ष्मण सजगता के प्रतीक हैं। हमारे भीतर सजगता की एक धारा है, जिसे नष्ट नहीं किया जा सकता है। उस धारा को स्वीकारना और उसे जानना आध्यात्मिकता है- 'मैं नहीं बदला हूं, मैं वृद्ध नहीं हुआ हूं, मैं वही हूं'। यह सजगता जीवन में इतना साहस और शक्ति लाती है कि कुछ भी हमें हिला नहीं सकता है। सीताजी सोने के मृग पर मोहित हो गईं। हमारा मन वस्तुओं से आकर्षित होता है। अहंकार मन का अपहरण कर लेता है और मन को आत्मा से दूर कर देता है। हनुमानजी श्वास के प्रतीक हैं, पवन पुत्र हैं। हनुमान , सीताजी को लंका से वापस लाने में राम की सहायता करते हैं। इस प्रकार श्वास रूपी हनुमान और सजगता रूपी लक्ष्मण के साथ मन रूपी सीता का, आत्मा रूपी श्रीराम के साथ पुन मिलन हो जाता है।

रघुपति बिमुख जतन कर कोरी। कवन सकइ भव बंधन छोरी॥
जीव चराचर बस कै राखे। सो माया प्रभु सों भय भाखे॥

भावार्थ

श्री रघुनाथजी से विमुख रहकर मनुष्य चाहे करोड़ों उपाय करे, परन्तु उसका संसार बंधन कौन छुड़ा सकता है। जिसने सब चराचर जीवों को अपने वश में कर रखा है, वह माया भी प्रभु से भय खाती है॥

जीने की कला सिखाती है रामायण

प्रभु राम की भूमिका मुझे उनकी कृपा से ही मिली और इसने मेरे जीवन में आमूलचूल बदलाव ला दिया। यह भूमिका निभाने में बड़ी चुनौतियां आईं लेकिन प्रभुकृपा से सब सहज रूप से होता चला गया।

मैं सौभाग्यशाली रहा कि मुझे प्रभु के आशीर्वाद से रामानंद सागर के रामायण धारावाहिक में श्रीराम की भूमिका निभाने का सुअवसर मिला। यह भगवान की कृपा ही थी कि ये सारी स्थितियां बनती गईं और मुझे खुद को प्रभु राम के चरित्र से जोड़ने का अवसर मिला।

राम की भूमिका मुझे ऑफर नहीं की गई थी, बल्कि मैं इस भूमिका के लिए रामानंद सागर के पास गया था। दरअसल, उन दिनों मैं उनके पास ही काम करता था। जब मुझे यह जानकारी मिली कि वे रामायण धारावाहिक बनाने जा रहे हैं तो मैं उनके पास गया और कहा कि मैं रामायण में राम की भूमिका करना चाहता हूं। एक बार तो उन्होंने मुझे इस रोल के लिए मना कर दिया। मुझे वे मनाते-समझाते रहे कि लक्ष्मण, भरत या शत्रुघ्न का रोल कर लो। लेकिन मैंने दूसरी कोई भी भूमिका करने से मना कर दिया था। अचानक एक दिन उनका बुलावा आया और मुझे राम की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दे दी गई।

मेरे घर में धार्मिक वातावरण तो था ही, रामायण पाठ भी होता रहता था। मैंने भी रामायण पढ़ी थी, लेकिन एक कहानी की तरह। यह तो सोचना भी संभव नहीं था कि कभी प्रभु राम का चरित्र निभाने का अवसर मिल सकता है। अब मेरे सामने प्रभु राम के जीवन को जीने की चुनौती थी। मैंने इस चुनौती को बहुत ही गंभीरता से लिया और रामायण, प्रभु राम के चरित्र का खूब अध्ययन किया। उनके मंदिरों में उनकी प्रतिमाओं को बड़े ध्यानपूर्वक देखा, उनके भावों को बेहद गंभीरतापूर्वक समझने की कोशिश की।

इस चरित्र को जीना काफी चुनौतियों वाला काम था लेकिन इसके लिए ताकत भी आती जा रही थी। आखिर प्रभु श्रीराम ने उस भूमिका के लिए मेरा चयन जो करा दिया था।

मैं अंतरमुखी और शांत स्वभाव का आदमी हूं। व्यक्तित्व में गंभीरता भी रही और चीजों की गंभीरता समझ में भी आती थी। राम के जीवन के विभिन्न पहलू भी समझ में आने लगे थे। थोड़ी मेहनत के बाद यह भी समझ में आने लगा कि रोल करते हुए मेरे व्यक्तित्व में भगवान की पवित्रता भी दिखनी चाहिए और एक इंसान वाली भी सारी बातें नजर आनी चाहिए। मैं सात्विक तो हमेशा से था, एक आदत थी सिगरेट पीने की, उसे भी छोड़नी पड़ी।

मैं मानता हूं कि यह रामायण बनाई नहीं गई थी, बल्कि बन गई थी। मुझे लगता है कि यह ऊपर वाले की कृपा से बनी थी। लगभग 24 साल बीत चुके है, लेकिन उसका प्रभाव वैसा ही बना हुआ है। इस बीच रामायण पर कई अन्य धारावाहिक बने, लेकिन उस रामायण के सामने ये कहीं नहीं ठहर पाए। इस धारावाहिक में काम करने के बाद मैंने कई दूसरे काम करने के प्रयास किए। कई फिल्में की ताकि राम की छवि से मुक्त हो पाऊं और करियर आगे भी बढ़े। लेकिन राम हमेशा मेरे साथ रहे और मुझे अपने से मुक्त होने नहीं दिया। एक समय के बाद मन में यह भाव आ गया कि मैं इतनी अच्छी छवि से बाहर क्यों निकलना चाहता हूं, जो प्रभु प्रेरणा से बनी है। उसके बाद मैंने ज्यादा काम नहीं किया और न ही राम की छवि से बाहर निकलने की कोई कोशिश की।

रामायण हमें बहुत कुछ सिखा देती है। इसमें मुझे जो सबसे अच्छी बात लगी, वह है जीवन जीने की कला। रिश्ते कैसे होने चाहिए, मां-पिता, भाई-बहन और दोस्त ही नहीं, दुश्मन के साथ भी रिश्ता और व्यवहार कैसा होना चाहिए, यह रामायण से सीखने को मिलता है। मुझे रामायण ने ये सभी समझ दी ही, शोहरत और सम्मान भी दिलाया। आज मेरे जीवन में कोई अभाव नहीं है, लेकिन प्रभु कृपा से आध्यात्म को समझने की जिज्ञासा बची है। आध्यात्म को समझने के लिए मैं कई वर्षों से ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी की सेवा में रहता हूं।

दशरथ महल

अयोध्या स्थित दशरथ महल को दशरथ जी राजमहल के नाम से भी जाना जाता है। मान्यताओं के अनुसार राजा दशरथ ने त्रेतायुग में इसकी स्थापना की थी। इस स्थान पर वैष्णव परम्परा की प्रसिद्ध पीठ एवं विन्दुगादी की सर्वोच्च पीठ है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अयोध्यापुरी में जन्मी बेटी का नाम रखा गया सीता

कोरबा। अयोध्या में भगवान रामचंद्र के प्राण प्रतिष्ठा दिवस को धूमधाम से मनाया गया। इसे रामोत्सव का नाम दिया गया । इस अवसर पर अयोध्यापुरी निवासी के घर में बेटी का जन्म हुआ। उसने इस दिन के स्मृति में बनाए रखने के लिए अपनी बेटी का नाम सीता रख दिया। इधर सुभाष चैक के एक सेलून संचालक ने भी इस दिन को यादगार बनाने के लिए अपने आराध्य हनुमान के स्वामी श्रीराम का स्मरण करते हुए अपने ग्राहकों को नि:शुल्क बाल कटिंग व सेविंग की सेवाएं दी। श्री रामचंद्र के अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जिले के अयोध्यापुरी में रवि शंकर और मीना साहू सहित परिवार की खुशियां बढ़ गई जब उनके यहां एक नई सदस्य का आगमन हुआ। पहले से इस परिवार में दो बेटियां हैं खास दिन नई बेटी के जन्म लेने पर उसका नाम सीता रखा गया। सीएसईबी में काम करने वाले रवि शंकर साहू ने बताया कि यह दिन उनके लिए बेहद विशेष हो गया। इसी तरह सेलून संचालक दुकान संचालक समीर कुमार ने बताया कि पिछले कई सालों से भगवान श्री राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उन्हें इंतजार था। उसकी मनोकामना पूरी हो गई है इस वजह से वह बेहद खुश है। खुशी व्यक्त करते हुए उसने पूरे दिन अपने ग्राहकों को नि:शुल्क में सेविंग व बाल कटिंग की सेवाएं दी है।

जिला प्रशासन ने गांधी मैदान में किया जिला स्तरीय रामोत्सव का आयोजन

गरियाबंद। धार्मिक नगरी अयोध्या में आज श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। इसके उपलक्ष्य में गरियाबंद जिले में भी जिलेवासियों ने भक्तिपूर्ण माहौल में खुशी मनाया।प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के साथ जिलेवासियों में खुशी और उत्सव का माहौल रहा। इस अवसर पर पूरा जिला राममय हो गया।जगह-जगह पर प्राण-प्रतिष्ठा की खुशी मनाने,विभिन्न कार्यक्रमों,भक्तिमय भजन-किर्तन का आयोजन किया गया।जिले के सभी मंदिर देवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया।साथ ही पुष्प और रंग बिरंगी लाइटों से मंदिरों की साज सज्जा,नगर, चौक चौराहों तथा गलियों को केसरिया तोरण व ध्वज के साथ सजाया गया।सभी आयु वर्ग के लोगों में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर काफी उत्साह रहा।श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा रामोत्सव के अवसर पर ज़िले में भव्य एवं वृहद रूप से भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम गांधी मैदान गरियाबंद में मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधायक रोहित साहू शामिल हुए।उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर दीपक अग्रवाल के साथ कार्यक्रम में श्रीराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। साथ ही दीप प्रज्जवलित कर एवं पूजा-अर्चना कर जिले के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने अयोध्या में हुए श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा की सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में हुए श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी पूरे देश के लोग बने।उन्होंने श्री राम की अयोध्या में वापसी के लिए देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि रामायण के पाठ से पुण्य मिलता है।

छत्तीसगढ़ की झांकी ने नेशनल-मीडिया का दिल जीता, तारीफें बटोरीं

- जनजातीय समाज में आदि काल से उपस्थित लोकतांत्रिक चेतना का प्रमाण प्रस्तुत करती है झांकी
- जगदलपुर का मुरिया दरबार और बड़े डोंगर का लिमऊ-राजा है केंद्रीय विषय
- आदिवासी समाज की शिल्पकाल की खूबसूरती से भी परिचित होगी दुनिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गणतंत्र-दिवस परेड में शामिल होने से पूर्व आज हुए प्रेस-रिव्यू के दौरान छत्तीसगढ़ की ओर से प्रदर्शित की जा रही झांकी 'बस्तर की आदिम जनसंसदः मुरिया दरबार' ने राष्ट्रीय मीडिया की जमकर तारीफें बटोरीं। यह झांकी छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज में आदिम काल से मौजूद लोकतांत्रिक चेतना का प्रमाण प्रस्तुत करती है। प्रेस रिव्यू का आयोजन नई दिल्ली की राष्ट्रीय रंगशाला में आयोजित किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने झांकी निर्माण से जुड़ी टीम को अच्छे रिव्यू के लिए बधाई देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ की झांकी का विषय न केवल छत्तीसगढ़ के लिए, बल्कि पूरे देश के आदिवासी समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह झांकी आदिवासी समाज की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं से दुनिया को परिचित कराएगी।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ और जनजातीय समाज की अस्मिता और उनकी सांस्कृतिक समृद्धि से दुनिया को परिचित कराने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रेस रिव्यू के दौरान झांकी के समक्ष छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने परब नृत्य का प्रदर्शन किया। वहीं, मांदर की थाप के साथ बांसुरी की मधुर तान ने सबका मनमोह लिया। गणतंत्र-दिवस पर नई-दिल्ली के कर्तव्य-पथ पर प्रदर्शित होने वाली छत्तीसगढ़ की झांकी 'बस्तर की आदिम जन संसदः मुरिया दरबार' में जगदलपुर के बस्तर-दशहरे की परंपरा में शामिल मुरिया-दरबार और बड़े-डोंगर के लिमऊ-राजा को केंद्रीय विषय बनाया गया है। साथ ही झांकी की साज-सज्जा में बस्तर के बेलमेटल और टेराकोटा शिल्प की खूबसूरती से भी दुनिया को परिचित कराया गया है। झांकी के प्लेटफार्म पर लिमऊराजा के निकट ही बेलमेटल का बैठा हुआ सुंदर नंदी प्रदर्शित है, जो आदिम समाज के आत्मविश्वास और सांस्कृतिक सौंदर्य के प्रतीक रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्लेटफार्म पर चारों दिशाओं में टेराकोटा शिल्प से निर्मित सुसज्जित हाथी सजे हुए हैं, जिन्हें लोक की सत्ता के प्रतीक के तौर पर प्रस्तुत किया जा रहा है। मुरिया दरबार में बस्तर में आदिम काल से लेकर अब तक हुए सांस्कृतिक विकास की झलक भी दिखाई जा रही है। झांकी से सबसे सामने के हिस्से में एक आदिवासी युवती को अपनी बात प्रस्तुत करते हुए दर्शाया जा रहा है, युवती की पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से बस्तर के रहन-सहन, सौंदर्यबोध और सुसंस्कारित पहनावे को प्रदर्शित किया जा रहा है।

लोक कलाकारों ने परब नृत्य की दी प्रस्तुति

आज प्रेस रिव्यू के दौरान छत्तीसगढ़ के लोककलाकारों ने नेशनल-मीडिया के सामने परब नृत्य प्रस्तुत किया। परब नृत्य बस्तर की धुरवा जनजाति का लोकप्रिय नृत्य है, जिसमें नर्तक दल कतारबद्ध होकर नृत्य करता है। नृत्य के साथ करतब भी शामिल होता है।

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के गौरवशाली पल के साक्षी बनें जिलेवासी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। अयोध्या के श्री राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर संपूर्ण जिले में हर्ष और उल्लास का माहौल रहा। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के इस गौरवशाली पल के पूरे जिलेवासी साक्षी बने। कोरबा में बुधवारी स्थित श्री राम जानकी मंदिर में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन के सहयोग से अयोध्या में आयोजित श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखने श्री रामजानकी मंदिर में एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी, जहां राम भक्तों और श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री राम मंदिर के गर्भ गृह में किए गए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का अलौकिक लाइव प्रसारण देखा और प्रभु श्री राम के बाल्यरूप के अलौकिक छवि के दर्शन किए।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन उपस्थित थे। साथ ही सांसद लोकसभा क्षेत्र कोरबा श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति नगर पालिक निगम श्री श्याम सुंदर सोनी एवं पार्षद शैलेन्द्र सिंह, कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला, निगमायुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू, दिनेश नाग, मंदिर प्रबंधक व राजपूत क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष अवधेश सिंह, विजय सिंह सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी, समाज के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के दौरान राम-नाम की गूंज से पूरा कार्यक्रम स्थल गुंजायमान रहा। कैबिनेट मंत्री देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मंदिर स्थल में भगवान श्री राम की दर्शन व विधिवत पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। साथ ही सभी अतिथियों ने लोगों को श्री राम प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है, जो सदियों तक लोगों के मन-मस्तिष्क में रहेगा। प्रभु श्री राम के आगमन की प्रतीक्षा आज समाप्त हुई है, हम सभी इस अद्भुत क्षण के साक्षी बने है।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा

राममय हुआ नगर, श्रीराम जानकी मंदिर में हुआ जिला स्तरीय आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। भगवान श्रीराम की पवित्र जन्मभूमि अयोध्या में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर आज पूरे जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और सभी श्रद्धालु भगवान श्रीराम की भक्ति में डूबे रहे। जिला सहित पूरा नगर राममय हो गया। इसके अलावा जिले विभिन्न ग्रामों में भजन कीर्तन के साथ कलश यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर जिला स्तर पर 'श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव' का आयोजन शहर के राजापारा में स्थित प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर में संपन्न हुआ। जिला मुख्यालय के राजापारा में आयोजित कार्यक्रम में सांसद मोहन मंडावी और कांकेर विधायक आशाराम नेताम सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए।

सांसद मंडावी ने श्री रामजानकी मंदिर और श्री हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ राज्य की खुशहाली की कामना की। सांसद मंडावी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लगभग 500 वर्ष के संघर्ष के बाद यह ऐतिहासिक पल आया है और आज भगवान श्रीरामलला अयोध्या में अपने घर पधारे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर हार्दिक बधाई दी। इससे पहले, कांकेर विधायक श्री नेताम ने भी श्रीराम जानकी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर हवन में आहुति दी।

इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीराम से सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। रामोत्सव कार्यक्रम में जिले की पांच मानस मंडलियों ने एक-एक करके रामभक्ति के साथ संगीतमय प्रस्तुतियां दीं। मानस मंडलियों की भगवान श्री राम के भक्ति पूर्ण प्रस्तुति से पूरा वातावरण राममय हो गया।

कार्यक्रम में धरती वंदन मानस परिवार कोटेला, ज्योति मानस मंडली किशनपुरी, आदर्श सम्पूर्ण महिला मानस मंडली श्रीरामनगर कांकेर, सुन्दरम मानस मंडली शिवनगर कांकेर और नव प्रभात मानस मंडली डुमाली द्वारा प्रस्तुति दी गई।

प्रभु श्रीराम के वनवास काल का सर्वाधिक समय बीता बस्तर अंचल में: केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि लगभग 500 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद यह ऐतिहासिक पल आया है और आज भगवान श्रीरामलला अयोध्या में अपने घर पधारे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। यह पल हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद और हमारे पूर्व जन्मों के अच्छे कर्म का प्रतिफल है। वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, सहकारिता और कौशल विकास मंत्री कश्यप आज जिला नारायणपुर में आयोजित कार्यक्रमों को सम्बोधित कर रहे थे।

अयोध्या में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने जिला नारायणपुर में शिव एवं जगदीश मंदिर, राम मंदिर हनुमान मंदिर सहित शहर के विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। वे इस मौके पर जगदीश मंदिर से पुराना बस स्टैण्ड तक निकाली गई शोभा यात्रा झांकी में शामिल हुए। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रमों में वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है। दण्डकारण्य बस्तर क्षेत्र में वनवास के दौरान सर्वाधिक समय भगवान श्रीराम ने यहां के जंगलों में बिताया। छत्तीसगढ़ की पवित्र धरा में उनके वनवास काल के स्मृति चिन्ह जगह-जगह मिलते हैं। उन्होंने प्रभु श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

नारायणपुर शहर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और शोभा यात्रा के लिए सभी जरूरी इंतजाम जिला प्रशासन द्वारा किए गए थे। इस मौके पर जिला स्तरीय राम मानस गायन का भी आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में शहर के आम नागरिक और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आम नागरिकों के सहयोग से 14 हजार दीपक जलाकर दीपोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, अबूमडिया समाज के उपाध्यक्ष मसियाराम नरेटी, सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक जैकी कश्यप सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति, आमनागरिक और श्रद्धालुगण, उपस्थित थे।

कुपोषण दूर करने के लिए फोर्टिफाइड फसलों और खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाए: कुलपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि आज हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर हो गया है। लोगों को पर्याप्त मात्रा में खाद्य सुरक्षा प्राप्त हो रही है, उसके बाद भी हमारा देश कुपोषण से जूझ रहा है। इसका प्रमुख कारण खाद्य पदार्थों में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होना है। उन्होंने कहा कि कुपोषण दूर करने के लिए यह आवश्यक है कि फोर्टिफाईड फसलों एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाए।

उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों एवं जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों से आव्हान किया कि वे विभिन्न फसलों की फोर्टीफाईड किस्में विकसित करें जो लोगों को अधिक मात्रा में पौष्टिक तत्व प्रदान करने में सक्षम हों। स्कूलों तथा आंगनबाडी केन्द्रों में मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराये जाने वाले भोजन में फोर्टीफाईड खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाना चाहिए। डॉ. चंदेल इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 38वें

स्थापना दिवस के अवसर पर बायोटेक्नालॉजी विभाग एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से कृषि, पोषण एवं लोक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में राज्य शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के विभिन्न अधिकारी, चिकित्सक, कृषि वैज्ञानिक, जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान जनसंख्या वृद्धि की दर को देखते हुए यह अनुमानित है कि वर्ष 2047 तक देश की जनसंख्या लगभग 165 करोड़ होगी। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों एवं बायोटेक्नोलॉजिस्ट को मिलकर काम करना होगा तथा फसलों की अधिक उत्पादन एवं पोषण देने वाली किस्में विकसित करनी होगी। पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के समुदायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत जायसवाल ने पोषण की चुनौतियों एवं इसके लोक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय लोगों में काफी बड़ी संख्या में एनीमिया पाया जाता है, जिसकी रोकथाम के लिए प्रोटीन समृद्ध भोजन लिया जाना चाहिए जिससे आयरन एवं फोलिक एसिड का शरीर में पर्याप्त मात्रा में अवशोषण हो सके। पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के एनिमिया विशेषज्ञ डॉ. शैलेन्द्र अग्रवाल ने एनिमिया के विभिन्न पहलुओं तथा इसके कारण होने वाले स्वास्थ्यगत समस्याओं के बारे में जानकारी दी तथा एनीमिया से लड़ने के तरीकों पर प्रकाश डाला। गोयेल्ड फ्रोज़न फूड्स के प्रमुख डॉ. राकेश मीणा ने पोषक समृद्ध खाद्य पदार्थों के विकास, संभावनाओं तथा चुनौतियों पर चर्चा की।

फार्म टू फोर्क सॉल्यूशंस मुम्बई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. उमेश कांबले ने खाद्य सुरक्षा एवं एफएस.एस.ए.आई. संस्था की भूमिका पर प्रकाश डाला।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर भाजपाइयों ने मनाया उत्सव

आज से भारत में नए युग का उदय, देश में आयेगा राम राजः पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आज अयोध्या में प्रभु श्री राम जी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही राम मंदिर आम जनमानस के लिए उद्घाटित कर दिया गया भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान के रूप में सारे नियमों का पालन करते हुए मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर राम लला की पूजा अर्चना की आपको बता दें की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए मुख्य यजमान को यम नियम का पालन करना होता है जिसमे 11 दिन तक पूर्णत: व्रत का पालन करना होता है बिस्तर का त्याग , प्रात: स्नान और अन्न का त्याग किया जाता है जिसका पालन प्रधानमंत्री मोदी ने यजमान के रूप में किया प्रभु श्री राम मंदिर उद्घाटन पर पूरे देश में उत्सव का माहौल है देश दुनिया के राम भक्तो में उत्साह हर गली मोहल्ले में देखने को मिला हर घर दीपावली जैसा नजारा देखने को मिला ।

भाजपा ने मंदिर उद्घाटन को मनाया दीपोत्सव की तरह

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर जिला के कार्यकर्ताओं ने भी दिन भर अपने अपने क्षेत्रों के मंदिरों में विभिन्न आयोजन किए एवं शाम ढलते ही जिला भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में मंदिर उद्घाटन के अवसर को यादगार बनाने विभिन्न आयोजन किए गए जिला कार्यालय के मुख्यद्वार पर जिला मीडिया प्रभारी वंदना राठौड द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई गई , कार्यालय प्रांगण में 1100 दिपको से श्री राम लिखा गया और ? की आकृति बनाई गई उसके पश्चात भव्य आतिशबाजी की गई पूरे कार्यालय को सुंदर विद्युत साज सज्जा और भगवा तोरण से सजाया गया ।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल ने कहा की आज से भारत में नए युग का उदय हुआ है इसे राम योलुग कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी देश का हर हिंदू 500 से अधिक वर्षो से राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण की बाट जोह रहा था जिसका स्वप्न आखिरकार 22 जनवरी 2024 को पूर्ण हो गया जैसे ही मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान संपन्न हुआ देश भर में धार्मिक सैलाब देखने को मिला कहीं भंडारा , कहीं भजन कीर्तन और कहीं भगवा रैलियां निकाली गई हमने भी प्रात: प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण जिला पदाधिकारियों संग देखा सभी का मन भाव विभोर हो गया आज हम सभी मंदिर निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले कर सेवको के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिनके अथक परिश्रम के फलस्वरूप हमे इस सुअवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित दीपोत्सव और आतिशबाजी कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला महामंत्री सत्यम दुआ अकबर अली, मनीषा चंद्राकर, गोपी साहू, राजीव मिश्रा, जितेंद्र गोलछा, संतोष साहू, ऋषभ कुमावत, अवनीश वर्मा, प्रीति प्रघन्या, विशाल शुक्ला, उपस्थित थे ।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

अनियंत्रित होकर बाइक खेत में जा घुसी, मौके पर एक युवक की मौत, एक घायल

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के पांडुका थाना क्षेत्र में एक बाइक अनियंत्रित होकर खेत में जा घुसी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कुरूद और पंडरी तराई के बीच बकरम पाठ के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, गरियाबंद के झितरी डूमर गांव के 2 युवक गौतम यादव और मिथिलेश यादव बाइक से घर लौट रहे थे। उनकी बाइक कुरूद और पंडरी तराई के बीच बकरम पाठ मंदिर के पास पहुंची, तभी गौतम ने बाइक पर से अपना नियंत्रण खो दिया। बाइक सीधे खेत में जा घुसी। हादसे में बाइक चला रहे गौतम यादव की मौके पर मौत हो गई। वहीं गाड़ी के पीछे बैठा मिथिलेश गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने घटना की जानकारी पांडुका थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को 108 संजीवनी एक्सप्रेस के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पांडुका पहुंचाया। यहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उसे गरियाबंद रेफर कर दिया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सूर्यकांत साहू ने बताया कि घायल युवक मिथिलेश की हालत गंभीर है।

यातायात सुरक्षा माह : केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों को दी यातायात नियमों की जानकारी

कोरबा। यातायात पुलिस की टीम ने केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 एनटीपीसी में ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। छात्र छात्राओं को और उपस्थित शिक्षकों सेकहा कि अगर लाइसेंस नहीं है तो वाहन न चलाएं। बिना लाइसेंस स्टूडेंट्सको ड्राइविंग करते पकड़ा गया तो उनके पैरेंट्स के खिलाफ कार्रवाई कीजाएगी। उन्हें 3 महीने तक की सजा का भी प्रावधान है। विद्यालय के प्राचार्यएसके साहू की उपस्थिति में ट्रैफिक टीम का नेतृत्व कर रहे सहायक उपनिरीक्षक मनोज राठौर ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने सड़क सुरक्षा सेसंबंधित विभिन्न नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्कूटी या बाइकवही चला सकते हैं, जिनके पास लाइसेंस हो। अन्यथा की स्थिति में उनकेअभिभावकों को 3 महीने की सजा का प्रावधान है। साथ ही उन्होंने हेलमेट नपहनने, 2 से ज्यादा सवारी बैठकर ड्राइविंग, सही जगह पार्किंग न करने, तेजगति में या शराब का सेवन कर वाहन न चलाने और ऐसे लापरवाही केदुष्परिणाम से अवगत कराते हुए संबंधित चालान की जानकारी प्रदान की।

विद्यार्थियों को सुरक्षा की दृष्टि से वाहन न चलाने की सलाह देते हुए उन्होंनेबताया कि हमारे शहर में भी आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, अत: वे सतर्कताबरतें। अंत में प्राचार्य साहू ने मनोज कुमार व उनकी टीम का धन्यवाद ज्ञापितकिया। उन्होंने भी सभी से सड़क सुरक्षा नियमों का पूर्णत: पालन करने काआग्रह किया। इस दौरान टीम के सदस्य अजय राजवाड़े, रितेश कौशिक,टीकेश्वर साहू, धर्मेन्द्र उपस्थित थे।

मोबाइल चोर गिरफ्तार : ट्रेन और रेलवे स्टेशन पर करता था मोबाइल पार, यात्रियों के रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने से बढ़ा हौसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में रेलवे स्टेशन और ट्रेनों से यात्रियों के मोबाइल पार करने वाले कोरबा के युवक को आरपीएफ की टीम ने पकड़ा है। उसके पास से करीब डेढ़ लाख रुपए कीमत का 11 मोबाइल बरामद किया गया है। आरपीएफने आरोपी को जीआरपी को सौंप दिया। अब आगे की कार्रवाई जीआरपी कर रही है।

जानकारी के मुताबिक आरोपी दीपक साहू कोरबा के जमनीपाली का रहने वाला है। रेलवे स्टेशन पर वो संदिग्ध तरीके से घूम रहा था, जिसे आरपीएफ ने पकड़ा। पूछताछ में वो रेलवे स्टेशन आने की सही वजह नहीं बता सका। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसे मोबाइल चोरी की बात कबूल की।

आरोपी ने बताया कि वह ट्रेनों में घूम-घूमकर मोबाइल चोरी करता है। टीम ने चोरी का 11 मोबाइल उसके पास से बरामद किया है, जिसका बिल और रसीद आरोपी नहीं दिखा सका। मोबाइल की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए है। आरपीएफ ने मोबाइल जब्त कर आरोपी युवक को जीआरपी को सौंप दिया। जिसके बाद जीआरपी ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरपीएफ व जीआरपी की कार्रवाई, चोरी के 11 मोबाइल फोन बरामद

आरोपी ने बताया कि वो मोबाइल चोरी करने के लिए कोरबा से आता था। उसने बताया कि शुरुआत में उसने मोबाइल चोरी की, तब यात्री ने इसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई, इससे उसका हौसला बढ़ गया। उसने बताया कि अधिकतर यात्री मोबाइल चोरी की शिकायत दर्ज नहीं कराते, इसकी वजह से वो लगातार यात्रियों के मोबाइल चोरी करने लगा। इस बार भी वो चोरी की मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था, लेकिन आरपीएफ और जीआरपी की गिरफ्त में आ गया। बता दें कि आरपीएफ और जीआरपी रेलवे स्टेशन में लगातार जांच कर संदिग्ध लोगों पर नजर रख रही है। जीआरपी ने आरोपी से बरामद मोबाइल के मालिकों की जानकारी जुटाई, तब पता चला कि एक भी यात्री ने केस दर्ज नहीं कराया है। अब जीआरपी उनके मालिकों की तलाश करेगी और मोबाइल को उनके सुपुर्द करेगी।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाले दो युवक पकड़ाए, चोरी के 6 वाहन जब्त

भिलाई। छावनी, जामुल, पुरानी भिलाई और भिलाई नगर में दो पहिया वाहनों की चोरी करने वाले दो युवकों कोपुलिस ने पकड़ा। आरोपियों में सेक्टर-2 निवासी किशन देवांगनऔर कांट्रेक्टर कॉलोनी निवासीशेखर विश्वकर्मा शामिल हैं।आरोपियों से छह वाहन जब्त किएगए हैं। एएसपी सिटी अभिषेक झा नेबताया कि किशन देवांगन नंदनीरोड से चोरी की बाइक को बेचनेके लिए लोगों से संपर्क कर रहा है।

घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया।सीसीटीवी फुटेज से उसकी पहचानपहले ही हो चुकी थी। किशन नेसब्जी मार्केट पावर हाउस, पावरहाउस ब्रिज के नीचे, कुरूद सब्जीबाजार, तेलीबांधा रायपुर, भिलाई-3चरोदा क्षेत्र से 5 बाइक चोरी कीथी। इसी प्रकार शेखर सेक्टर 06 एमार्केट के पास संदिग्ध हालत मेंघूम रहा था। उसने सालभर पहलेसेक्टर-6 मार्केट से दो पहिया वाहनचोरी किया था।

रायगढ़ में दो ट्रकों से 1900 बोरी धान जब्त, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति का लगा था स्टैंसिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में दो ट्रकों से 1900 बोरी धान पकड़ाया है। यह कार्रवाई धरमजयगढ़ के धान उपार्जन केन्द्र सिसरिंगा में संयुक्त जांच दल राजस्व, खाद्य, सहकारिता, बैंक, मंडी विभाग ने की है। जब्त धान को धरमजयगढ़ थाना के कस्टडी में दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, धान उपार्जन केन्द्र सिसरिंगा में स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा 2 ट्रक लोडमय धान रोका गया। इसके बाद की संयुक्त जांच दल ने इसकी जांच की गई। गाड़ी नंबर यूपी-21, सीएन 7070 और यूपी-21 डीटी 3930 में अवैध रूप से धान उपार्जन केन्द्र सिसरिंगा में खाली होने आए धान बोरे सहित ट्रक को पकड़ा गया।

उक्त ट्रकों में लोडमय धान बोरे 1900 बोरी (40 किलोग्राम प्रति बोरी) वजन 760 क्विंटल में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति काडरो जिला-जशपुर का स्टैंसिल लगा पाया गया। 21 जनवरी को रायगढ़ जिले के मां कमला राइस मिल के

द्वारा उक्त धान का उठाव किया गया था। जिसकी पुष्टि रायपुर से मिली ऑनलाइन रिपोर्ट और काडरो समिति जिला जशपुर के जावक पंजी से की गई।

रायगढ़ खाद्य अधिकारी ने बताया कि धान उपार्जन केन्द्र सिसरिंगा खरीदी केन्द्र प्रभारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर पुरुषोत्तम दास महंत द्वारा बताया गया कि उक्त दोनों ट्रक में लोड धान का डिलीवरी किया जा रहा था। लेकिन खरीदी प्रभारी का बयान और जांच में पाए गए तथ्य के अनुसार उक्त दोनों ट्रकों का धान आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सिसरिंगा में खाली करने के उद्देश्य से लाया गया था। दोनों ट्रकों को जब्तशुदा लोडमय धान 1900 बोरी वजन 760.00 क्विंटल धान जब्त कर धरमजयगढ़ थाना के कस्टडी में दिया गया है। विस्तृत जांच की कार्रवाई जारी है।

महिला से एक करोड़ 18 लाख की ठगी, सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम करवाकर नहीं दिया पैसा

■ **तेलीबांधा थाने का मामला, महिला की शिकायत पर केस दर्ज**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तेलीबांधा थाने में महिला ने दो लोगों के खिलाफ सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाने के नाम पर एक करोड़ 18 लाख रुपये की ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने जिन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है, उनके खिलाफपूर्व में विधानसभा थाने में सवा करोड़ रुपये ठगी की रिपोर्ट दर्ज है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिवानी राज तोमर ने फरीदाबाद हरियाणा स्थित केके स्पन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हिमांशु गुप्ता, कविश गुप्ता के खिलाफ ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया है कि उनका मेसर्स

एसआर कंस्ट्रक्शन का काम है। उनकी कंपनी वाटर ट्रीटमेंट, सिवरेस आदि का काम करती है। पीड़िता के अनुसार केके स्पन के डायरेक्टर से सतना मध्य प्रदेश में एसटीपी लगाने के लिए 24 अप्रैल 2019 को एग्रीमेंट हुआ था। कंपनी ने उन्हें काम के लिए पैसा नहीं दिया। इसलिए खुद पैसा लगाकर 30 दिसंबर 2020 को एसटीपी लगाने का काम चालू किया। डायरेक्टरों ने उन पर काम जल्द पूरा करने का दबाव बनाया।

आधी रकम मिलने के बाद पता चला टेंडर टर्मिनेट हो गया है

पीड़िता के अनुसार 35 प्रतिशत काम पूरा करने के बाद वह केके स्पन के डायरेक्टरों से पैसों की मांग की तो महिला द्वारा खर्च किए गए दो करोड़ 69 लाख 66 हजार रुपये में से डेढ़ करोड़ का भुगतान किया गया। शेष रकम काम पूरा होने के बाद देने का झांसा दिया। इस बीच महिला को जानकारी मिली कि विभाग ने केके स्पन को जो काम दिया है, संबंधित विभाग ने उस वर्क को पहले ही टर्मिनेट कर चुका है।

सेंट्रल जेल में कैदी की मौत: परिजन ने लगाया हत्या का आरोप

■ **4 दिन पहले शराब मामले में हुआ था गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में केंद्रीय जेल में एक कैदी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। चार दिन पहले ही पुलिस ने उसे शराब के केस में गिरफ्तार किया था। परिजन का कहना है कि जेल भेजने से पहले पुलिसकर्मियों ने पैसे की डिमांड की थी और उसकी बेहरमी से पिटाई की थी। उन्होंने बंदी की हत्या का आरोप लगाते हुए जांच कर दोषियों के खिलाफकार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार सीपत क्षेत्र के ग्राम मोहरा निवासी श्रवण तांबे (35) अमृतलाल खेती किसानी करता था। बीते 17 जनवरी को पुलिस ने उसे महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया था। जिसके बाद पुलिस ने उसे 19 जनवरी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। इस बीच वह जेल

में बंद था। परिजन जब जेल में मिलने पहुंचे, तब उसे मिलने नहीं दिया गया।

बताया जा रहा है कि बीते सोमवार की शाम जेल में उसकी तबीयत बिगड़ी। जेल प्रबंधन के अनुसार उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी, तब आनन फानन में उसे जेल अस्पताल और फिर सिम्स रेफर किया गया। सिम्स पहुंचने के बाद देर रात उसकी मौत हो गई। मंगलवार को इस घटना की जानकारी परिजनों को दी गई, तब परिजन उसकी मौत की खबर सुनकर सन्न रह गए। इधर श्रवण तांबे की पत्नी लहरा बाई का आरोप है कि जब पुलिस ने उसे महुआ शराब के साथ पकड़ा था, तब उससे दस हजार रुपए की मांग की थी। परिजन जब उससे थाने में मिलने पहुंचे तब कोर्ट से आदेश लेकर आने के लिए कहा। इसके बाद मिलने देने की बात कही।

36 घंटे तक हवालात में रखा और की पिटाई

लहराबाई का यह भी आरोप है कि पहले उससे पैसों की डिमांड की गई। पुलिस को देने के लिए उसके पास पैसे नहीं थे। इस पर पुलिसकर्मियों ने उसे पैसों का इंतजाम करने के लिए बोला था। इस बीच करीब 36 घंटे तक उसे हवालात में बंद रखा गया। साथ ही उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। जब पैसे देने से मना किया, तब उसके खिलाफकेस दर्ज कर जेल भेज दिया गया।मृतक बंदी के परिजन का आरोप है कि जेल में उन्हें मिलने नहीं दिया गया। उसकी हालात जानने के लिए परिजन दो दिन तक जेल का चक्कर काट रहे थे। लेकिन, जेल प्रबंधन ने मुलाकात कराने से मना कर दिया। उनका यह भी आरोप है कि जेल में भी उसके साथ मारपीट कर उसे प्रताड़ित किया गया है।

सिर-मुंह में जम गया था ब्लड

परिजनों ने बताया कि सिम्स में जब श्रवण तांबे के शव का पोस्टमार्टम किया गया, तब उसके सिर-मुंह सहित कई जगहों पर ब्लड जमा हो गए थे। साफ दिख रहा था कि किस तरह से बेरहमी से उसकी पिटाई की गई है। हालांकि, बंदी की मौत के बाद मजिस्ट्रेट से जांच कराई जा रही है। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में डॉक्टरों की टीम ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बंदी की मौत के मामले में जेल प्रशासन की अमानवीयता भी सामने आई है। जेल के प्रहरियों ने उसे देर शाम सिम्स में भर्ती कराया, तब वह कुछ बोलने की स्थिति में नहीं था। इसके बाद भी उसके हाथ में हथकड़ी बांध दिया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, फिर भी शव में हथकड़ी बंधी रही।

दो मंजिला दुकान में घुसा हाईवा, मशक्कत के बाद निकाला गया ड्राइवर को बाहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले में सोमवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। यहां रेत से भरा तेज रफ्तार हाईवा दो मंजिला दुकान में जा घुसा। हाइवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद दुकान भरभरा गिर गई। दुकान के मलबे में हाईवा के ड्राइवर और हेल्पर दोनों दब गए। कड़ी मशक्कत के बाद ड्राइवर को बाहर निकाला गया।

मिली जानकारी के अनुसार मामला पलारी थाना क्षेत्र के वटगन गांव का है। ड्राइवर और हेल्पर खेरा दतान घाट से रेत लेकर बेमेतरा जा रहे थे। जैसे ही हाईवा वटगन गांव के पास पहुंचा तो अनियंत्रित होकर हार्डवेयर की दुकान में जा घुसा। गति तेज होने के कारण टक्कर के बाद दुकान भरभरा गिर गई और मलबे में ड्राइवर व हेल्पर दब गए। घटना की जानकारी के मौके पर पहुंची पलारी पुलिस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद ड्राइवर को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

श्रीराम जी के भव्य आरती में शामिल हुई विधायक देवेंद्र यादव की मां

भिलाई। अयोध्या में श्री राम जी के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में कुर्सी पर में जय हनुमान सेवा वाहिनी के द्वारा श्री राम चौक में प्रभु श्री राम की भव्य आरती का आयोजन किया गया था जिसमें हजारों की संख्या में दिए जलाए गए एवं भंडारा का भी आयोजन किया गया विधायक देवेंद्र यादव की मां पुष्पा यादव भी कार्यक्रम में शामिल हुई एवं प्रभु श्री राम से की आरती कर पूरे भिलाई के लोगों के सुख समृद्धि की कामना की। श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर पूरे भिलाई में उत्साह का माहौल है आज जगह-जगह दिए जलाए गए और दिवाली मनाए गए हर मंदिर में भंडारे का आयोजन हुआ इसी कार्य इसी कार्यक्रम के लिए विभिन्न सेक्टर एवं कुर्सी पर के अलग-अलग वार्डों में मां पुष्पा यादव उपस्थित रही। श्रीराम चौक में राम जी के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए श्री राम जी की रंगोली से लेकर हजारों दीपक जलाने का कार्यक्रम आयोजित हुआ हर घर के सामने दिया जले हुए है उत्साह के साथ कुर्सी पर में दिवाली का त्यौहार मनाया गया ।।

रक्तदान शिविर में 25 यूनिट खून एकत्रित

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, सीएमएचओ डॉ. जेपी मेश्राम, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर ए के साहू के निर्देशानुशार जिला चिकित्सालय में मरीजों के लिए आपात स्थिति को देखते हुए रक्त की उपलब्धता बनाए रखने हेतु दुर्ग जिला रक्त केन्द्र के द्वारा लगातार रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को निस्वार्थ गौ सेवक समिति द्वारा जिला रक्त केंद्र दुर्ग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 25 यूनिट बहुमूल्य रक्त एकत्रित किया गया। दुर्ग जिला रक्त केंद्र के नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार अग्रवाल एवं प्रभारी अधिकारी डॉक्टर नेहा नलवाया के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में, काउंसलर एंथोनी, वरिष्ठ लैब तकनीशियन रोशन सिंह सुपरवाइजर रूपेश सर्पे, स्टाफनर्स तरूणा रावत, प्रयोगशाला टेक्नीशियन तीरथ, दिनेश ,मधुसूदन, सूरज चतुर्थ श्रेणी कौशल साहू, माला देशमुख, समिति से आकाश मजूमदार आदि की उपस्थिति व सहयोग से कैंप का सफ्ल सम्पादन किया गया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर - एक दौड़ बेटियों के नाम

दुर्ग। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना'' अंतर्गत 24 जनवरी 2024 के उपलक्ष्य पर ''एक दौड़ बेटियों के नाम'' आयोजित है। इस कार्यकम का उद्देश्य बालिकाओं के मध्य उच्च शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाकर खेलों में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए ''एक दौड़ बेटियों के नाम'' आयोजित किया जा रहा हैं। उक्त दौड़ 24 जनवरी 2024 को प्रात: 8.00 बजे से सेक्टर 09 चौक से प्रारंभ होकर सिविक सेंटर चौक से पुन: सेक्टर 09 चौक में आकर समापन होगा।

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा अवसर पर शहर में अभूतपूर्व उल्लास व उमंग, मंदिरों में हुआ प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अयोध्या में आयोजित श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा रमोत्सव के अवसर पर कसारीडीह स्थित राम जानकी मंदिर प्रांगण में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से अयोध्या में आयोजित श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा रामोत्सव का सीधा प्रसारण किया गया तथा दीप प्रज्जवलन किया गया। श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरे देश एवं प्रदेश की भांति सम्पूर्ण दुर्ग जिला रामभक्तिमय होकर भगवान श्रीराम की भक्ति से सराबोर है। इस अवसर पर सांसद श्री विजय बघेल ने राम जानकी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की।

उन्होंने कहा कि पूरा शहर श्रीराम की भक्ति में सराबोर है। मंदिर, चौक चौराहों तथा गलियों को तोरण, ध्वज व केसरिया झंडा से सजाया गया है। बच्चे, युवा, वृद्ध हर वर्ग के लोगों में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह और उमंग है। मंदिर में सुबह से भक्ति गीत भजन गाये जा रहे हैं। इस अविस्मर्णीय क्षण को कभी नही मिटाया जा सकता है और न ही दिलों से खत्म किया जा सकता है। यह पूरे भारत के लिए सौभाग्य का क्षण है। राम के प्रति श्रद्धा रखने वाले लोग कोई भी जाति, धर्म, सम्प्रदाय के हो अपने दिलों व आत्मा में भगवान राम को रग रग में बसाए हुए हैं।

ऐसा भव्यतम अवसर 500 सालों के बाद हम सब के लिए आया है। इसके लिए 500 सालों से भगवान राम के मंदिर का निर्माण करने के लिए संघर्ष किया गया। जब मुगलों का राज था न जाने कितने हिन्दू मंदिरों को तहस नहस कर दिया, न जाने कितने श्रद्धा के अस्तित्व को मिटाने का प्रयास किया गया। छत्तीसगढ़ की भावना अयोध्या से जुड़ी हुई है, क्योकि भगवान राम हमारे भांजे हैं। हमारा छत्तीसगढ़ उनका ननिहाल है। इस बार भी अयोध्या में भोग प्रसाद बटेगा भगवान को भोग लगाई जाएगी, उसमें छत्तीसगढ़ का चावल गया हुआ है उनकी मां के घर का चावल गया हुआ है। ये भाव से भगवान राम को स्थापित करने के लिए उन सभी को मै नमन करता हूं सब को इस शुभ अवसर की बहुत बहुत बधाई देता हूं।

हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों का प्रतिफ्ल है। भारत के लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्होंने संकल्प लिया था कि राम मंदिर बनके रहेगा और बनाके रहेंगे। सारे चुनौतियों को स्वीकार करते हुए आज अयोध्या में राम मंदिर बन गया। आज प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूरा देश उत्साह से भरा हुआ है। आज जिले में भी बड़ा हर्ष का माहौल है। हर जगह राम-राम, कण- कण में राम की जयकारे गुंज रही है। श्री राम लंका से अयोध्या आए तो जो मनोरम दृश्य था, वही आज पूरे भारत में दीपावली जैसा माहौल है।

इसी प्रकार विकासखण्ड धमधा के ग्राम बरहापुर, दुर्ग के ग्राम नगपुरा एवं पाटन विकासखण्ड के ग्राम लोहरसी के मंदिरों में भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर, महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अश्वनी देवांगन, नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर, संयुक्त कलेक्टर गोकुल रावटे, मुकेश रावटे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे।

प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव

दया सिंह के साथ भाजपा पार्षदों ने अटल व वांबे आवास में लोगों को बांटी दिया बाती और मिठाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह संपन्न हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा मुख्य यजमान के तौर पर की है। इसके साथ ही देशभर में उत्सव का माहौल है। सोमवार की रात महादिवाली की तैयारी के बीच भिलाई निगम के उप नेता प्रतिपक्ष व बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह के साथ भाजपा पार्षदों ने खुर्सीपार के अटल आवास व वांबे आवास के लोगों को दिया, बाती, तेल व मिठाई का वितरण किया। दया सिंह के साथ सभी पार्षदों ने यहां के निवासियों से महादिवाली मनाने का आह्वान किया।

बता दें रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन किसी गरीब का घर दिए की रोशनी अछूता न रहे इसके लिए बोल बम समिति के माध्यम से भिलाई निगम के उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने सराहनीय कार्य किया है। एक दिन पहले रविवार को वार्ड 44

सहित आसपास के पांच वार्डों में 4 हजार से ज्यादा घरों में पांच दिए, पांच बाती, 100 ग्राम तेल व आधा किलो मिठाई का वितरण किया।

सभी से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपने घर पर पांच दिए जलाने व महादिवाली मनाने का आह्वान किया। इसी कड़ी में सोमवार को दया सिंह ने अपने सहयोगी पार्षदों के साथ सोमवार को अटल आवास व वांबे आवास क्षेत्र में पहुंचे और यहां लोगों को दिया, बाती, तेल व मिठाई बांटी।

500 से ज्यादा घरों में किया वितरण

दया सिंह व बोल बम समिति के सदस्यों ने अटल आवास व वांबे आवास क्षेत्र में पहुंचकर लगभग 500 से अधिक घरों में दिया, बाती, तेल व मिठाई का वितरण किया। इस मौके पर दया सिंह ने कहा कि सोमवार का दिन देश के लिए महादिवाली है और ऐसे दिन कोई भी घर दियो की रोशनी के बिना न रहे। अटल आवास व वांबे आवास के साथ आसपास के श्रमिक बाहुल क्षेत्र में लोगों को दिया, बाती, तेल व मिठाई का वितरण किया गया। मिठाई पाकर यहां के बच्चों के चेहरों पर रौनक आ गई। सभी काफी खुश दिखे और जय श्रीराम के नारे लगाए। इस मौके पर सेक्टर-4 की पार्षद ईश्वरी नेताम, वार्ड 33 की पार्षद सरीता बघेल, वार्ड 40 की पार्षद गिरीजा बंछोर, सेक्टर-1 की पार्षद शकुंतला साहू सहित युवा मोर्चा से पवन मिश्रा, प्रमोद सिंह, भाजपा महामंत्री मुकेश शर्मा, सुनील अग्रवाल, विजेन्द्र मिश्रा, संतोष चौहान, प्रदीप पाण्डेय, विनय शर्मा, तारण शर्मा, अखिलेश तिवारी, सुभाष तिवारी, अजीत यादव, दीपक सोनी, पुष्पा राव आदि ने अपना योगदान दिया।

विधायक देवेंद्र ने की है पहल

सेक्टर 9 मानव परिसर में लगेगी हनुमान जी की विशाल प्रतिमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर 9 हनुमान मंदिर बहुत ही सिद्ध मंदिर है और यहां लगातार भक्तों का आना-जाना लगा रहता है आज राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विधायक देवेंद्र ने यह पहल किया कि सेक्टर 9 हनुमान मंदिर परिसर के समय मानव परिसर में हनुमान जी की दुर्ग जिले की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की जाएगी और विधि विधान से पूजा किया जाएगा

विधायक देवेंद्र यादव के द्वारा हनुमान जन्मोत्सव पर सेक्टर 1 शारदा मंदिर से हजारों भक्तों के साथ सेक्टर 9 हनुमान मंदिर तक पैदल ध्वज यात्रा निकाली जाती है हर वर्ष एक जनवरी को मंदिर परिसर को सजाया जाता है एवं हनुमान जन्मोत्सव पर हजारों भक्तों को के लिए भंडारे का भी आयोजन किया जाता है श्री यादव ने अपने कार्यकाल में खुर्सीपार में श्रीराम चौक का भी निर्माण कराया है आज अयोध्या जी में श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में शाम 6:00 बजे भव्य आरती एवम भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है ।

अपराधियों के घर चलेगा बुलडोजर, पुलिस के साथ खुद पेट्रोलिंग पर निकलेंगे विधायक रिकेश सेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा में विगत रात कक्षा बारहवीं के छात्र की हत्या की घटना से आहत वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कड़े शब्दों में ऐसे अपराध कारित करने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कल रात बैकुंठ धाम के रघुनंदन वंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिवम साव के हत्यारों के घर में बुलडोजर चलेगा। वैशाली नगर विधानसभा में अब किसी लड़की से छेड़छाड़ की घटना हुई, कोई भी अपराध करने वाला यदि नशे में मिला, एक भी चाकूबाजी की घटना हुई तो अपराधी ये जान लें कि अब उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। शिकायत मिली है कि आजकल 14 से 25 साल के युवा कैंप क्षेत्र में नशीली दवाओं का सेवन कर चाकूबाजी और

अन्य बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। उनके परिजन भी ऐसे अपराधों में उनका साथ दे रहे हैं, ऐसे लोग समझ लें कि यदि अपराध की ओर आप अपने बच्चों को प्रोत्साहित कर रहे हैं तो यह भी तय है कि आपने जो घर बनाया है वह भी अवैध निर्माण और कब्जायुक्त होगा, जल्द ही ऐसे मकान चिन्हित कर उन पर बुलडोजर चलवाने की कार्रवाई की जायेगी। अपराधी जान लें कि भले वो नशे की हालत में अपराध कर रहा है लेकिन इसका दुष्परिणाम यह भी है कि कहीं न कहीं वो अपने माता पिता और अपने बच्चों के सिर से छत भी छीन रहा है। ऐसे लोगों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस प्रशासन के साथ मैं स्वयं पेट्रोलिंग में जाउंगा और प्रयास होगा कि इस क्षेत्र के अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई हो। इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी समझ लें कि अगर उन्होंने अपराधियों को कोई संरक्षण दिया है या कोई अधिकारी अपराधियों के मनोबल को संरक्षण दे रहा है तो ऐसे जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों का भी वही हश्र होगा, जो अपराधियों के साथ होगा। श्री सेन ने खचाखच भरे बैकुंठधाम मैदान से ऐलान किया कि इस क्षेत्र से अपराध को खत्म करने वो कोई भी कसर बाकी नहीं रखेंगे। उन्होंने कहा कि वैशाली नगर की जनता ने मुझे भारी मतों से विजय दिलाई है, रोड और नाली बनाना ही विकास नहीं होता, वैशाली नगर विधानसभा अपराधमुक्त और शांतिमय वातावरण में विकास की नई गाथा बनेगा, ऐसा मैंने तय किया है। अपराधी अपराध से तौबा कर लें नहीं तो वैशाली नगर विधानसभा में रहना और घटनाएं करना उनके लिए काफी दुष्कर होने वाला है। आपको बता दें कि कल प्रभु श्रीराम की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा के बैकुंठ धाम मैदान में आयोजित रघुनंदन वंदन कार्यक्रम में रात भर भव्य आतिशबाजी और भजन कीर्तन, लोक कलाकारों की प्रस्तुति ने रात भर राम भक्तों को कार्यक्रम में झूमने विवश कर दिया था।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा बैकुंठ धाम समिति के सहयोग से कल शाम प्रारंभ इस कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, राजेंद्र अरोरा, तुलसी साहू, प्रेमचंद देवांगन, पुरूषोत्तम देवांगन, मिथिला खिचरिया, अशोक गुप्ता सहित सभी विधायक प्रतिनिधि, वैशाली नगर, कैम्प और सुपेला मंडल के भाजपा पदाधिकारी सहित क्षेत्र के हजारों लोग शामिल हुए।

केंद्रीय जेल दुर्ग पहुंचे विधायक रिकेश सेन, बंदियों संग भजन कीर्तन कर बांटी रामलला प्राण प्रतिष्ठा की खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । केंद्रीय जेल दुर्ग में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की पहल पर भजन कीर्तन के साथ अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की खुशियां मनाई गई। महिला और पुरुष जेल को बंदनवार से सजा कर सभी बंदी कान्हा महाराज के भजन पर घंटों झूमते रहे। जेल अधीक्षक आरआर राय सहित आयोजन में सभी बंदी शामिल हुए।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज रामलला की 500 वर्षों बाद वापसी की खुशियां पूरा देश अपने अपने परिवार के साथ हर्षोल्लास से मना रहा है, ऐसे में उन्हें जेल के बंदियों का ख्याल आया अत: इस ऐतिहासिक क्षण को सेलिब्रेट करने विधायक होने के नाते वो केंद्रीय जेल पहुंचे हैं ताकि वहां भी भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की खुशियां पहुंच सके और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्शों को अपना कर सभी क्रोध और अपराध से दूर रहें।

आपको बता दें कि महिला जेल में शाहिद आरीफ ने भजन गाए जबकि पुरुष जेल में कान्हा महाराज के भजन से सभी झूमने लगे। जेल परिसर स्थित श्रीराम दरबार, कृष्ण और मां दुर्गा मंदिर में विशेष हवन? पूजन और आरती कर सभी ने जयकारे लगाने के बाद प्रसाद ग्रहण किया। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज अयोध्या में प्रभु राम की वापसी हुई है, प्राण प्रतिष्ठा समारोह है और हम सभी केंद्रीय जेल दुर्ग पहुंचे हुए हैं। यहां पर महिला कैदी भी बंदी हैं और पुरुष भी जो बंदी हैं, दोनों की संख्या मिला दी जाए तो लगभग बाईस सौ के लगभग हैं।? आज दोनों जेल में भजन हुआ और साथ में जेल को भगवा तोरण और झंडों से सजाया गया।

भगवान राम के भजन पर सभी जेल के सभी बंदी झूम उठे और उन्होंने वादा भी किया अपने भगवान से कि यहां से जब हम निकलेंगे तो निश्चित रूप से आध्यात्म की दुनिया में जाएंगे। राम नाम जपेंगे और किसी भी प्रकार का कोई अपराध नहीं करेंगे, अपने परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे, बच्चों को अच्छी शिक्षा देंगे ताकि जिस जेल में आज वो कैदी हैं, जेल में उनके बच्चे मुख्य अतिथि बनकर आएं, उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाए, ऐसी उनकी सोच है। मुझे ऐसा लगता है कि रामलला की वापसी जिस प्रकार से हुई, पाँच सौ साल बाद मनुष्यों में, इंसान में भी बड़ा बदलाव आएगा और कहीं न कहीं हम सब जो हैं भगवान रामलला की वापसी का स्वागत कर रहे हैं। जेल के साथ साथ वैशाली नगर विधानसभा भी भगवामय हो चुका है और जगह जगह भंडारा चल रहा है। आज एक लाख लोग एक जगह इकट्ठा होने वाले हैं, वैशाली नगर विधानसभा पहली ऐसी विधानसभा बनेगी जहां इतनी बड़ी तादाद में लोग इकट्ठा होंगे क्योंकि आज शाम बैकुंठ धाम में इस शुभ दिवस पर रघुनंदन का वंदन होगा।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज जेल आने का मकसद यही था कि मन में सहज विचार आया कि आज इनका परिवार उनके साथ नहीं है तो मैंने तय किया कि आर्मी विंग में चले जाउं लेकिन वो बहुत दूर था। अयोध्या में भी आज के दिन सभी का पहुंच पाना संभव नहीं था वहां 7 फरवरी को जाएंगे। मुझे ऐसा लगा कि कैदी ही एक ऐसे हैं जिनको सही रास्ते पर लाने के लिए भजन किया जाना चाहिए, भगवान रामलला की वापसी पाँच सौ साल बाद हो रही है, उन्हें यह बताना और एहसास दिलाना आवश्यक है। चौदह वर्ष वनवास जाने के बाद उनके जीवन में क्या बीता भगवान राम के उनके परिवार में क्या बीता, यह बतलाना बड़ा आवश्यक था। मुझे ऐसा लगा कि एक केंद्रीय जेल ही एक ऐसी जगह है जहां पर भव्य भंडारा करना चाहिए। यहां राम दरबार इतने अच्छे से सजाया गया था, हम सभी विधायक प्रतिनिधियों के साथ अंदर गए और यहां पर जिस प्रकार से पूजा पाठ हुआ यह बंदियों में अपने आप में एक बदलाव दिखा गया। भारत का यह पहला जेल बना है जो आज राममय हो गया है।

भिलाई में तीन दिवसीय अखिल भारतीय तेलुगू नाटक प्रतियोगिता 28 से

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आंध्र प्रदेश के प्रख्यात नाट्य संस्थाओं द्वारा भिलाई में पहली बार अपनी नाट्य कला का प्रदर्शन किया जाएगा। भिलाई शहर की तेलुगू सांस्कृतिक संस्था कलांजली व पीएमकेएम फाईन आर्ट्स ओंगोल (आंध्रप्रदेश) के संयुक्त तत्वाधान में यह वृहद आयोजन किया जा रहा है। 28 जनवरी से 30 जनवरी तक सेक्टर-4 स्थित एसएनजीएस विद्याभवन के ऑडिटोरियम में उक्त नाटक प्रतियोगिता का अयोजन किया जा रहा है।

तेलुगू सांस्कृतिक संस्था कलांजली के अध्यक्ष कोविरि राजू ने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय तेलुगू नाटक प्रतियोगिता -2024 के इस भव्य आयोजन में आंध्रप्रदेश के कुल 6 नाट्य संस्थाओं द्वारा नाटकों की प्रस्तुति होगी। कोविरी राजू ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन दो-दो नाटकों की प्रस्तुति होगी। 30 जनवरी को प्रतियोगिता का समापन होगा और इसी दिन विजेता ग्रुप की घोषणा भी की जाएगी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आंध्रप्रदेश व तेलंगाना के प्रख्यात फिल्म अभिनेता, निर्माता डॉ एम. मुरली मोहन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

प्रतियोगिता की रूपरेखा

28 जनवरी 2024 - प्रथम प्रस्तुति : नाटक - केरटालू (संस्था - कला क्रियेशन राजाम), द्वितीय प्रस्तुति : नाटक - कर्मा (संस्था - ललिता श्री कला समिति श्रीकाकुलम)

29 जनवरी 2024 - प्रथम प्रस्तुति : नाटक - मलिसंध्या (संस्था - श्री शिर्डी साई कल्चर क्रियेशन्स अनकापल्ली), द्वितीय प्रस्तुति : नाटक - चौकीदार (संस्था - एसवी रंगाराव कला श्रवंति × वेंकटेश्वरा नाट्य मंड़ली, काकिनाड़ा)

30 जनवरी 2024 - प्रथम प्रस्तुति : नाटक - इदि कधा कादु (संस्था - वैशाखी क्रियेशन्स विशाखापट्नम), द्वितीय प्रस्तुति: नाटक-नेरस्तुलु (संस्था - सहृदया आर्ट्स पी रायवरम)

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950